हिन्दी दैनिक
# प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • मंगलवार • 21.07.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 354 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

## मुख्यमंत्री ने की वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा

# काजू, बांस सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती पर करें फोकस : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण, विकास और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा प्रदान किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार किया जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उनके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके, इसके लिए वन क्षेत्रों के डिजिटल मैप की लेयरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद वन क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। कहीं वनों का विस्तार हुआ है तो कहीं इको-टूरिज्म परियोजनाएं और गेस्ट हाउस विकसित हुए हैं। दूसरी ओर, वनों की कटाई, खनन क्षेत्रों के विस्तार तथा वन्यजीव अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में वन क्षेत्रों का अद्यतन एवं वैज्ञानिक डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि वनों की सुरक्षा और उनका सतत विकास राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाने तथा सूखे एवं अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से कटाई की योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नए पौधे लगाए जा सकें और हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं अतएव इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये वृक्ष न केवल जैव विविधता को समृद्ध करेंगे, बल्कि ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। महुआ, जामुन, कटहल, आवला, चिरौंजी और बैर जैसे फलदार वृक्ष स्थानीय लोगों को पोषण एवं अतिरिक्त आय देंगे, जबकि पलाश, कुसुम और अर्जुन जैसे वृक्ष लाह एवं तसर उद्योग को नई गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की बड़ी आबादी ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए पौधरोपण की योजना ऐसी होनी चाहिए, जिससे आम लोगों को वन उपज का प्रत्यक्ष लाभ मिले।

बैठक में मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से जुड़े वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को बिना अनावश्यक विलंब के वन पट्टों का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें वन पट्टा का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं विभाग द्वारा संचालित सभी वन योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका लाभ स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पर्यटन और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिल सके।

बैठक में मुख्यमंत्री ने काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को बड़े भू-भागों की पहचान कर, वहां व्यापक स्तर पर काजू एवं बैम्बू के पौधे लगाने और राज्य में काजू उत्पादन की संभावनाओं को विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों के लिए आय के नए स्रोत सृजित हो सकें। उन्होंने बांस (बैम्बू) के व्यापक रोपण और उसके सुनियोजित विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांस आधारित उद्योगों और बैम्बू क्राफ्ट को बढ़ावा देकर राज्य में बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं।

- झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ने की जरूरत
- पौधारोपण कार्य उपयोगिता आधारित एवं स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो
- वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन प्राथमिकता
- प्राकृतिक संपदा, घने जंगल, वन्यप्राणी एवं समृद्ध जैव विविधता झारखंड की पहचान
- वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करें

### "एक पेड़ लगाएं, पांच यूनिट मुफ्त बिजली पाएं" योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को शहरी विकास से जोड़ते हुए कहा कि शहरों को बचाने के लिए भी पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा "पेड़ लगाओ, फ्री बिजली पाओ" योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली नि:शुल्क प्रदान किये जाने की योजना है।

## एक नजर

### लंबे समय से फरार हार्डकोर उग्रवादी नरेश गंझू गिरफ्तार

**चतरा :** पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के वांछित उग्रवादी नरेश गंझू उर्फ रविकांत को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी लावालौंग थाना क्षेत्र के मंधनिया गांव के समीप जंगल से की गई। आरोपित हत्या, रंगदारी, पुलिस पर हमला, अवैध हथियार रखने सहित कई गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा था। सोमवार को प्रेस वार्ता में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहब ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रविकांत अपने पैतृक गांव लावालौंग के मंधनिया आया हुआ है। सूचना के आधार पर विशेष नक्सल विरोधी अभियान चलाकर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

रविकांत के विरुद्ध चतरा और लातेहार जिले के विभिन्न थानों में कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें बालूमाथ थाना में दो, लावालौंग थाना में दो, कुंदा थाना में एक तथा सिमरिया थाना में एक मामला शामिल है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी, पुलिस बल पर हमला, अपहरण, आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट और यूएपीए की धाराओं के तहत केस दर्ज हैं।

### मुजफ्फरनगर में मकान ढहने से पिता और चार बच्चों की मौत

**मुजफ्फरनगर :** उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के हबीबपुर गांव में रविवार रात बारिश के दौरान एक मकान भरभराकर ढह गया। उसके मलबे में दबकर घर के मुखिया और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चियों को घायल अवस्था में इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी पर रात में ही जिले के तमाम अधिकारियों ने मौका मुआयना किया और तेजी से राहत कार्य कराया।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (58) रविवार खाना खाने के बाद आराम कर रहे थे। उनके पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) मौजूद थे। जबकि पत्नी दो बच्चों को लेकर पड़ोस में गई थी। इसी बीच अचानक मकान की छत भरभराकर ढह गई और गृहस्वामी एवं बच्चे सभी मलबे के नीचे दब गए। ग्राम प्रधान ने बताया कि मजदूर इस्लामुद्दीन का घर मिट्टी के गारे से बना हुआ था।

## डुरंड कप में टिकट फ्री, 26 जुलाई को मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड की राजधानी रांची पहली बार एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट 135वें डूरंड कप-2026 की मेजबानी करने जा रही है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 26 जुलाई को होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शामिल होंगे।

बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित प्रेस वार्ता में खेल निदेशक छवि रंजन ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। प्रेस वार्ता में भारतीय सेना के प्रतिनिधि मनोज कुमार झा भी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने सभी मैचों के लिए निःशुल्क टिकट की व्यवस्था की है। किसी भी दर्शक को टिकट के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। टिकट वितरण 22 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक किया जाएगा।

टिकट प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मिलेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को अधिकतम चार टिकट दिए जाएंगे। टिकट के लिए स्टेडियम परिसर में गेट संख्या 11 से 13 के बीच 10 काउंटर और गेट संख्या 23 के पास दो अतिरिक्त काउंटर बनाए गए हैं। प्रशासन ने दर्शकों से मैच शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले स्टेडियम पहुंचने की अपील की है। प्रवेश से पहले सुरक्षा जांच होगी। देर से आने पर असुविधा हो सकती है। नियमों का पालन नहीं करने वालों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

खेल निदेशक छवि रंजन ने बताया कि 1888 में शुरू हुआ डूरंड कप एशिया का सबसे पुराना और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। इसके 135वें संस्करण में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले पांच मेजबान शहरों में खेले जाएंगे। इसमें इंडियन सुपर लीग, आई-लीग के क्लबों के साथ भारतीय सशस्त्र बलों और विदेशी सैन्य टीमों की भी भागीदारी होगी।

स्टेडियम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सख्त रहेगी। दर्शकों को कई सामान स्टेडियम के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

### त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच शुरू

**अगरतला :** त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में उनके कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया। पुलिस प्रारंभिक तौर पर मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी अनुराग धनखड़ को उनके कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका हुआ पाया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन और फ्लैश बाढ़ से 7 लोगों की मौत

एजेंसी

**पुंछ :** जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी बारिश के चलते मंडी तहसील के लोरन ब्लॉक के पीर पंजाल पहाड़ियों में स्थित दोमेल ढोक क्षेत्र में हुए भूस्खलन की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गई। सोमवार को लगातार बारिश के बीच दोमेल ढोक इलाके में अचानक भूस्खलन हुआ, जिसमें कई लोग मलबे की चपेट में आ गए। यह क्षेत्र बेहद दूरदराज और दुर्गम होने के कारण घटना की जानकारी प्रशासन तक देर शाम पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही मंडी प्रशासन और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। राहत और बचाव कार्यों के लिए प्रशासन एवं पुलिस दल को घटनास्थल की ओर रवाना कर दिया गया है।

## जेपी नड्डा से मिला सीजेपी प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** देश में नीट परीक्षा में कथित पेपर लीकऔर देश में बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर राजनीतिक दल सीजेपी का विरोध प्रदर्शन आज बेहद उग्र हो गया है। पार्टी ने मानसून सत्र की शरुआत के साथ ही एक बड़े 'चलो संसद मार्च' का आहान किया है। सीजेपी के इस आंदोलन को देश भर के छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों का भारी समर्थन मिल रहा है। प्रदर्शनकारी 19 जुलाई की शाम से ही दिल्ली के ऐतिहासिक धरने स्थल जंतर-मंतर पर जुटने शुरू हो गए थे, जहां आज सुबह तक एक बड़ा हुजूम इकट्ठा हो चुका है।

सीजेपी के प्रदर्शनकारियों ने जेपी नड्डा के साथ एक बैठक की है। इस बैठक के दौरान सीजेपी द्वारा नड्डा के सामने तीन शर्तें रखी गईं। इस दौरान मंत्री द्वारा आंदोलनकारियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि, मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया है कि वे अपना धरना समाप्त करें और दिल्ली में सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बड़ी कार्यवाही करते हुए जंतर-मंतर खाली करवाया है।

**सीजेपी की तीन शर्तें -**
- सोनम वांगचुक को तुरंत छोड़ा जाए।
- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए।
- आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिवारों को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए।

## ईरान-यूएस तनाव घटने के संकेत नहीं, इस्राइली सेना बोली- हम जंग फिर से शुरू करने को तैयार

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** ईरान और अमेरिका के बीच तनाव घटने के संकेत नहीं हैं। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच चार महीने से अधिक समय पहले शुरू हुई जंग के बीच अमेरिका ने अपने 50 हजार सैनिकों को अलर्ट मोड में रखा है। युद्धोन्माद से उपजे तनाव के बीच भारत ने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

ओमान के कुमजार से 15 किलोमीटर दूर होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर किसी चीज के टकराने के बाद आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने बताया कि चालक दल के सदस्यों ने सुरक्षित रूप से जहाज छोड़ दिया। उन्हें एक टग बोट की मदद से बचा लिया गया है। जहाज में लगी आग अभी बुझी नहीं है और वह पानी में बह रहा है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। UKMTO ने अन्य जहाजों को सावधानी से गुजरने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी है।

कुवैत ने सोमवार को कहा कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ईरान की तरफ से आ रहे हमलों को रोकने के लिए काम कर रही है। इस्लामिक रिपब्लिक पर अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में ईरान बार-बार कुवैत को निशाना बना रहा है। ईरान ने कुवैत में पावर प्लांट और डिसेलिनेशन स्टेशनों (खारे पानी को पीने लायक बनाने वाले प्लांट) को निशाना बनाया है। ये ऐसे देश के लिए बहुत जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर हैं जो अपने पीने के पानी का 90 प्रतिशत हिस्सा डिसेलिनेशन से ही हासिल करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के लिए ईरान और अमेरिका के बीच पिछले नौ दिनों से हमले जारी हैं।

अमेरिकी हवाई हमलों के बाद सोमवार सुबह बहरीन में मिसाइल अलर्ट सायरन बजने लगे। यह सायरन ईरान की ओर से होने वाले संभावित जवाबी हमले की चेतावनी के तौर पर बजाए गए हैं, क्योंकि हाल ही में अमेरिका ने इस्लामिक गणराज्य (ईरान) को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। फारस की खाड़ी में स्थित यह छोटा सा द्वीपीय देश, जहां वर नेवी का 5वां बेड़ा तैनात है, ईरान के लगातार हमलों का शिकार रहा है, क्योंकि युद्ध खत्म करने के लिए हुई अंतरिम डील टूट चुकी है।

ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुवैत के अली अल सालेम एयरबेस पर मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। आईआरजीसी के अनुसार, इस ड्रोन हमले में अमेरिका का अर्ली-वार्निंग रडार सिस्टम तबाह हो गया।

## खूंटी में हाई-टेंशन तार के संपर्क में आया रथ, दो स्कूली छात्रों की मौत, सात घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**खूंटी :** झारखंड के खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में दो स्कूली छात्रों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। हादसा कोटेगसेरा स्थित मौसीबाड़ी के समीप उस समय हुआ, जब लंच ब्रेक के दौरान कुछ छात्र वहां खड़े एक रथ को घुमाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे पूरा रथ करंट की चपेट में आ गया और वहां मौजूद नौ छात्र झुलस गए।

मृतकों की पहचान चंदन कुमार (16 वर्ष), निवासी पेट्रोल पंप क्षेत्र, तोरपा तथा तारकेश्वर महतो (15 वर्ष), निवासी टुराटोली के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर अवस्था में पहले तोरपा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, खूंटी रेफर किया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घायलों में अरमान आलम (16 वर्ष, तोरपा), सूजय लुहरा (17 वर्ष, सैयसेरा), नीलय एक्का, पंकज राम (16 वर्ष), रुपेश कुमार, गिरिराज यादव तथा कमलेश गोप शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

# उद्योग विभाग की समीक्षात्मक बैठक में डीसी ने योजनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में उद्योग विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न औद्योगिक एवं स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध निष्पादन के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के अंतर्गत निमार्णाधीन माइक्रो कॉमन फैसिलिटी सेंटर के कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया कि वे मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के साथ बैठक कर JIIDCO द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा करें तथा कार्य में आ रही बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।

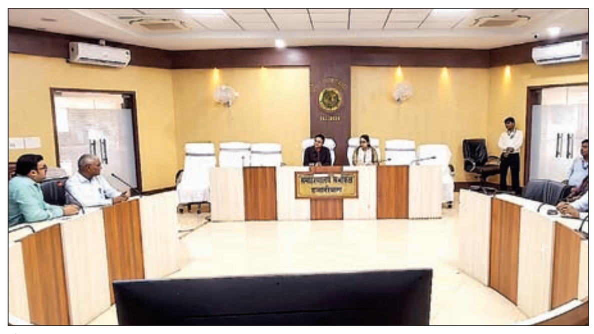

हाल ही में आयोजित हैंडक्राफ्ट मेला 'शिल्पोत्सव' के सफल आयोजन पर उपायुक्त ने मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड एवं जिला उद्योग केंद्र की टीम की सराहना की। उन्होंने महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र को निर्देश दिया कि आगामी हैंडक्राफ्ट मेले के आयोजन के लिए जिले के हस्तशिल्प कारीगरों के साथ बैठक कर समय एवं तिथि का निर्धारण करते हुए अभी से तैयारियां प्रारंभ की जाएं। बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने योजना के लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए सभी बैंकों के जिला समन्वयकों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा पात्र एवं जरूरतमंद लाभुकों को समय पर योजना से जोड़ने के निर्देश दिए।

## राजस्व विभाग एवं खास महाल की समीक्षा बैठक

**हजारीबाग :** उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व शाखा एवं खास महल से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी प्रखंडों में भूमि संबंधी मामलों की प्रखंडवार समीक्षा की गई तथा लंबित एवं महत्वपूर्ण मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि विभिन्न माध्यमों से भूमि संबंधी अनियमितताओं एवं गड़बड़ियों की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जो अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक विषय है। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया कि एलपीसी, म्यूटेशन, रजिस्ट्री एवं अन्य भूमि संबंधी मामलों में शत-प्रतिशत जांच एवं सत्यापन सुनिश्चित करने के बाद ही किसी प्रकार की स्वीकृति अथवा निर्गत की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने प्रखंड स्तर पर कंप्यूटर ऑपरेटरों के स्थानांतरण की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

## ब्रह्म विद्या विहंगम योग की सत्संग गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** बरही आध्यात्मिक जागरूकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को स्थित गुरु बहन प्रभा देवी के आवास पर एक दिवसीय सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक चला। गोष्ठी की अध्यक्षता सिकंदर सिंह ने की। संचालन कृष्ण कुमार गुप्ता एवं डॉ महेश प्रसाद कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक स्वागत गान, भजन गान और गुरु वंदना से हुई। इसके बाद ममता देवी द्वारा उद्घोष पाठ, अनमोल राणा द्वारा ज्ञान गुदड़ी पाठ और स्वर्वेद पाठ किया गया। इस अवसर पर गुरु बहन प्रभा देवी ने प्रवचन दिया और एक मिनट की ध्यान साधना भी कराई गई। अंत में मंडल भजन, सामूहिक आरती और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सत्संग में राजा देवी, सुनैना देवी, राधिका देवी, माधुरी कुमारी, गायत्री देवी, सुमित्रा देवी, ममता देवी, प्रेमा देवी, मधुरा देवी, गीतांजली गुप्ता, रानी केशरी, पूजा केशरी, प्रीति विश्वकर्मा, गुड़िया देवी, पायल केशरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

## आकाशीय बिजली ने उजाड़ा काशी महतो का परिवार, बहू की अंतिम यात्रा में गूंजा चीत्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**टाटीझरिया :** टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत झरपो पंचायत के दक्षिण टोला में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे में काशी महतो की बहू पार्वती देवी (35 वर्ष), पति सुरेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पुत्र दिवाकर कुमार और सास लखिया देवी गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है।

सोमवार को पार्वती देवी की अंतिम यात्रा उनके पैतृक घर से निकली तो पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया। परिजनों की चीत्कार और ग्रामीणों की नम आंखों ने हर किसी को भावुक कर दिया। अंतिम विदाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं मौजूद रहीं। ग्रामीणों ने बताया कि पार्वती देवी मिलनसार एवं समाजसेवी स्वभाव की महिला थीं। वे महिला मंडल से जुड़कर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती थीं और गांव में सभी के बीच उनकी अच्छी पहचान थी। उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए सैकड़ों ग्रामीण उनके घर पहुंचे तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। लोगों ने इस घटना को प्रकृति का दुखद कहर बताते हुए दिवाकर कुमार और लखिया देवी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की।

## कटकमसांडी पेलावल थाना पुलिस की कार्रवाई दो अलग-अलग मामलों के अभियुक्त गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** जिले की कटकमसांडी पेलावल थाना पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए माननीय न्यायालय भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पहला गिरफ्तार अभियुक्त मजहर अली सैफ (52 वर्ष) है। वह स्वर्गीय मोहम्मद इस्माइल मियां का पुत्र तथा कटकमदाग थाना क्षेत्र के सुल्ताना तिलैया का निवासी है। उसके विरुद्ध कटकमसांडी पेलावल थाना कांड संख्या 220/23 दर्ज है, जिसमें वह प्राथमिकी अभियुक्त है। लंबे समय से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। दूसरा गिरफ्तार अभियुक्त मासूम अंसारी (19 वर्ष) है। वह स्वर्गीय मोजाहिद अंसारी का पुत्र तथा कटकमसांडी पेलावल थाना क्षेत्र के गोविंदपुर हेदलाग गांव का निवासी है। उसके खिलाफ कटकमसांडी पेलावल थाना कांड संख्या 120/26 दर्ज है। संबंधित मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। लगातार की जा रही छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद थाना में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। पूछताछ एवं दस्तावेजी कार्रवाई के उपरांत दोनों को विधिवत गिरफ्तार दशार्ते हुए 20 जुलाई 2026 को उचित मार्गरक्षी दल के साथ माननीय न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया, जहां से आगे की न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध नियंत्रण, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में नियमित छापेमारी की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी मामले में वांछित अभियुक्त कानून की पकड़ से बच न सके और पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

## डीएवी स्कूल में नेशनल स्पोर्ट्स 2026 क्लस्टर-IV प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** बरही डीएवी स्कूल में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स 2026 क्लस्टर–IV की दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। सोमवार को खो-खो एवं शतरंज की स्पर्धा का आयोजन किया गया। क्लस्टरझ्रक्ट के अंतर्गत आने वाले डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, कोडरमा, बरकाकाना, रजरप्पा, केदला, तापीन और कुजू की टीम ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में डीएवी बरही के प्राचार्य डॉ पुष्प कुमार झा, डीएवी रजरप्पा के प्राचार्य डॉ आरके साहू, डीएवी पब्लिक स्कूल आरा कुजू के प्राचार्य आलोक कुमार, डीएवी स्कूल तापीन के प्राचार्य रविंद्र कुमार पात्रा मौजूद थे। सभी ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खेल को शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए शिक्षा का अंग बताया। प्रतिस्पर्धा में शामिल खिलाड़ियों ने निष्पक्ष खेल, अनुशासन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। खो-खो एवं शतरंज के रोमांचक मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अगले चरण के लिए चयनित होगें। अंडर 17 खो खो बालिका वर्ग में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही की टीम विजेता बनी वहीं उपविजेता केदला की टीम रही। अंडर-19 खो खो बालिका वर्ग में डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा की टीम विजेता बनी वहीं बरही डीएवी की टीम उपविजेता। शतरंज में अंडर 17 में बरही और अंडर-19 में रजरप्पा की टीम विजेता बनी।सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि खेल खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। खेल अनुशासन के साथ जीना सिखाता है।

## उपेक्षित चौपारण स्टेडियम को बचाने खिलाड़ियों ने खुद संभाला मोर्चा, अवैध रास्ता किया बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** प्रखंड मुख्यालय स्थित एकमात्र खेल स्टेडियम लंबे समय से उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। मैदान की बदहाल स्थिति और बीच से बने अवैध रास्ते से परेशान खिलाड़ियों ने सोमवार को खुद पहल करते हुए जेसीबी की मदद से गिरी हुई चारदीवारी के स्थान पर मिट्टी का बांध बनाकर रास्ता बंद कर दिया। करीब दो दशक पहले बने इस स्टेडियम में वर्षों से टूटी चारदीवारी के कारण लोगों ने आवागमन का रास्ता बना लिया था। इससे बाइक और पैदल लोगों की आवाजाही सीधे मैदान से होने लगी, जिससे खिलाड़ियों के अभ्यास में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही थी। सीएससीए के अध्यक्ष तस्लीम राजा, बीएसएफ जवान राहुल कुमार, प्रेम पासवान, राजा कुमार, बबन कुमार, अजय यादव समेत अन्य खेल प्रेमियों ने मिलकर अवैध रास्ते को बंद कराया। खिलाड़ियों ने कहा कि मैदान को रास्ता बनाए रखने से खेल गतिविधियां प्रभावित हो रही थीं। खिलाड़ियों ने बताया कि स्टेडियम में शौचालय जर्जर हैं, खिड़की-दरवाजे टूट चुके हैं और सुरक्षा व्यवस्था का भी अभाव है। रात के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने से स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने प्रशासन से चारदीवारी के पुनर्निर्माण, भवन की मरम्मत, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं बहाल कर स्टेडियम का समुचित विकास कराने की मांग की। गौरतलब है कि हाल ही में विधायक मनोज कुमार यादव के प्रयास से मैदान के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन हटाई गई है। हालांकि 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन अब भी मैदान के ऊपर से गुजर रही है, जिसे हटाने की मांग स्थानीय लोग लगातार कर रहे हैं।

## एक नजर

### ओल्ड जीटी रोड पर पलटा हाइवा, चालक घायल

**बरही :** बरही गया रोड पर अहले सुबह डस्ट लदा हाइवा बीआर27जीए 4751 अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में हाइवा चालक रामकृपाल सिंह उम्र 49 वर्ष पिता रघुवीर सिंह, पता नागल बावन, गोपालपुर, फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश निवासी मामूली रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद रसोइया धमना पंचायत के वार्ड संख्या 13 प्रतिनिधि सह समाजसेवी राजेश कुमार ने घायल चालक को निजी क्लीनिक पहुंचाया और घायल चालक का इलाज कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाइवा बांझेडीह प्लांट से डस्ट लेकर चतरा की ओर जा रहा था, इसी क्रम में हाइवा हादसे का शिकार हो गया। वार्ड प्रतिनिधि राजेश कुमार ने बताया कि सड़क में बने गड्ढे के कारण यह दुर्घटना हुई, यहां आये दिन दुर्घटना होती रहती है। सड़क मरम्मती के नाम पर सिर्फ लीपापोती बरती जा रही है, जिसको लेकर उन्होंने संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत करने की मांग की है। बता दें कि पिछले माह जून में भी खराब सड़क के कारण पाइप लदा ट्रेलर पलट गया था।

### हजारीबाग नगर मंडल के पर्यवेक्षक बने रेवाली पासवान, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

**चौपारण :** कांग्रेस के समर्पित, कर्मठ और जुझारू नेता रेवाली पासवान को संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और निष्ठा का सम्मान मिला है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव कुमार महतो की स्वीकृति तथा हजारीबाग जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जेपी पटेल की अनुशंसा पर उन्हें हजारीबाग नगर मंडल का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। रेवाली पासवान लंबे समय से कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकताओं को जोड़ने और आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी सादगी, मेहनत और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।संगठन के कार्यकताओं ने भी इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए इसे पार्टी के लिए सकारात्मक और दूरदर्शी निर्णय बताया है। नव नियुक्त पर्यवेक्षक रेवाली पासवान ने प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस से जोड़ने के लिए वे पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा और जनहित की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

### विधायक ने पीसीसी पथ का किया उद्घाटन

**खूंटी :** मुरहू प्रखंड की बिंदा पंचायत अंतर्गत रोड़ो कुबाटोला में विधायक मद से निर्मित पीसीसी पथ का उद्घाटन सोमवार को खूंटी विधायक रामसूर्या मुंडा ने फीता काटकर किया। सड़क निर्माण पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिली है और विशेषकर बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी से राहत मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान सड़क की स्थिति इतनी खराब हो जाती थी कि बाइक और साइकिल से भी चलना मुश्किल हो जाता था।

## संक्षिप्त खबरें

### फरार वारंटियों पर पुलिस का बड़ा एक्शन

**बड़कागांव :** बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत में, अपराध नियंत्रण को लेकर बडकागांव पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। बीते दिन रविवार को पुलिस की ओर से विशेष छापेमारी की गई जिसमें पांच वारंटीओ को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में हजारीबाग भेजा गया। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आदेशानुसार बड़कागांव थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कई वर्षों से फरार चल रहे पांच वारंटीयों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।आगे बताया कि फरार वारंटीयों के विरोध अभियान चलाकर बड़कागांव थाना अंतर्गत विभिन्न कांडों में वांछित 5 अभियुक्त देवा साव, पिता स्वर्गीय लंगर साव,लगनू गंझू पिता चुटी गंझू , कोल्हा गंझू पिता सोमार गंझू , चुटी गंझू पिता स्वर्गीय सोमर गंझू , एवं लांटग गंझू पिता स्वर्गीय नागेश्वर गंझू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि फरार वारंटीयों और अपराधियों के खिलाफ ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। गिरफ्तारी दल में मुख्य रूप से नेतृत्वकर्ता थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह एवं पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

### सरोज कुमार को केंद्रीय कुशवाहा समाज करणपुरा क्षेत्र का उपाध्यक्ष किया गया मनोनीत

**बड़कागांव:** केंद्रीय कुशवाहा समाज करणपुरा क्षेत्र बड़कागांव का मंत्रिमंडल बीते दिन विस्तार किया गया। जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड सचिव सरोज कुमार को केंद्रीय कुशवाहा समाज का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया कसमाज में हमेशा योगदान देना एवं सामाजिक काम में अधिक रुचि को देखते हुए मनोनीत किया गया। जिसमें मुखिया अध्यक्ष मुखिया रंजीत कुमार, श्मशान घाट सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सिंहा ,कुशवाहा समाज सूर्य मंदिर इकाई अध्यक्ष जयनाथ महतो, वीरेंद्र महतो, शशि मेहता,दीपक मेहता, लालमणि मेहता,सनी कुमार, सुजीत कुमार, इत्यादि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

### 12 विद्यालयों का हुआ सोशल ऑडिट, कुल 104 विद्यालयों का होना है ऑडिट

**बरही :** झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेर्शानुसार बरही में सोमवार को 12 विद्यालयों में सोशल ऑडिट किया गया। इस कदम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाना, वित्तीय गड़बड़ियों को रोकना और शिक्षा की गुणवत्ता की जांच करना है। इसी के तहत सोमवार को बरही के 12 विद्यालयों में सोशल ऑडिट (सामाजिक अंकेक्षण) किया गया, जिन विद्यालयों का जांच किया गया उनमें बेसिक स्कूल पंचमाधव, बॉय मिडिल स्कूल बरही, गवर्मेंट सेकेंडरी स्कूल भंडारों, गवर्मेंट सेंकेंडरी स्कूल बुंडू 2, उच्च विद्यालय बरही, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बरही, मध्य विद्यालय बरसोत, मध्य विद्यालय बेन्दगी, नव प्राथमिक विद्यालय अलगडीहा, प्राथमिक विद्यालय प्रखंड परिसर, मदरसा तहफूजे इस्लाम बरही एवं मदरसा अजीजिया जिया उल ओल्हा शामिल है। सोशल ऑडिट (सामाजिक अंकेक्षण) का मुख्य उद्देश्य विद्यालय विकास अनुदान और अन्य फंडों के खर्च की सटीक जांच करना, गुणवत्ता की निगरानी, बच्चों को मिलने वाली शिक्षा और अन्य सुविधाओं के स्तर को सुधारना। साथ ही स्कूल में दिए जा रहे दोपहर के भोजन ( मिड – डे – मिल) की गुणवत्ता और मेन्यू के पालन का सत्यापन करना है।

### बारिश में ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक जवानों के बीच रेनकोट का वितरण, हजारीबाग यूथ विंग ने की पहल

**हजारीबाग:** ट्रैफिक पुलिस के जवानों को बारिश में ड्यूटी के दौरान सुरक्षित और दृश्यमान रखने के उद्देश्य से सीसीआर कंट्रोल रूम हजारीबाग में हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा पुलिस अधीक्षक हजारीबाग की उपस्थिति में ट्रैफिक जवानों के बीच रेनकोट का वितरण किया गया। उक्त समारोह में पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी यातायात थाना, परिचारी प्रवर पुलिस केंद्र हजारीबाग उपस्थित रहे। यह समारोह शहरी क्षेत्र के ट्रैफिक व्यवस्था में प्रतिनियुक्त पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाने और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए आयोजित किया गया।

### हाई-टेंशन तार के संपर्क में आया रथ, दो स्कूली छात्रों की मौत, सात घायल

**खूंटी:** झारखंड के खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में दो स्कूली छात्रों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। हादसा कोटेगसेरा स्थित मौसीबाड़ी के समीप उस समय हुआ, जब लंच ब्रेक के दौरान कुछ छात्र वहां खड़े एक रथ को घुमाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे पूरा रथ करंट की चपेट में आ गया और वहां मौजूद नौ छात्र झुलस गए। मृतकों की पहचान चंदन कुमार (16 वर्ष), निवासी पेट्रोल पंप क्षेत्र, तोरपा तथा तारकेश्वर महतो (15 वर्ष), निवासी टुराटोली के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर अवस्था में पहले तोरपा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, खूंटी रेफर किया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घायलों में अरमान आलम (16 वष, तोरपा), सूजय लुहरा (17 वर्ष, सैयसेरा), नीलय एक्का, पंकज राम (16 वर्ष), रुपेश कुमार, गिरिराज यादव तथा कमलेश गोप शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

## एक नजर

### एक्स्ट्रीम बार हत्याकांड: मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह समेत 10 आरोपी दोषी करार

**रांची** : एक्स्ट्रीम बार के डीजे संचालक संदीप प्रमाणिक हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह उर्फ विक्की समेत 10 आरोपी आरोपियों को अपर न्याययुक्त शैलेन्द्र कुमार की कोर्ट ने दोषी करार दिया है। इनकी सजा के बिंदु पर अदालत मंगलवार को सुनवाई करेगी। मामले के अदालत ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह, अशोक कुमार सिंह, मोहम्मद शामिरूदीन, प्रतीक, मृत्युंजय कुमार, प्रकाश कुमार,दिवाकर उपाध्याय, अलोक दीवा,पंकज कुमार और सुमित कुमार को दोषी ठहराया है। दरअसल संदीप प्रमाणिक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। 26 मई 2024 की देर रात बार में डीजे बजाने वाले संदीप प्रमाणिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 26 मई 2024 को बार बंद होने के बाद 4-5 युवक वहां पहुंचे थे। जिनका बार के स्टाफ से विवाद हो गया था। विवाद के बीच दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। मारपीट का बदला लेने के लिए अभिषेक अपने दोस्तों के साथ प्लान बनाया। जिसके बाद अभिषेक सिंह सेल सिटी स्थित किराए के घर गया और घर से राइफल निकालकर दोबारा बार पहुंचा। जिन्होंने बार में घुसकर संदीप की छाती में गोली मार दी। जिससे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई थी।

### रिनपास की नशा मुक्ति मैराथन के विजेताओं को मिला सम्मान

**रांची** : रिनपास के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित पहली नशा मुक्ति मैराथन के विजेताओं और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रमाण पत्र का वितरण रिनपास की निदेशक डॉ. जयति सिमलाई, उप निदेशक (प्रशासन) मिथिलेश कुमार चौधरी और चिकित्सा अधीक्षक ने किया। इस मौके पर सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी गई। अधिकारियों ने कहा कि नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने में युवाओं की भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की। रिनपास की ओर से आयोजित इस मैराथन का उद्देश्य लोगों, खासकर युवाओं में नशा मुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मैराथन में विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों, रिनपास के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में आम लोगों ने भी भाग लिया और नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

### डेंगू-चिकुनगुनिया की रोकथाम का मिला प्रशिक्षण

**रांची** : शहरी क्षेत्र में डेंगू और चिकुनगुनिया की रोकथाम को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय मलेरिया कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कम्युनिटी वॉलंटियर्स और फाइलेरिया यूनिट के सभी कर्मचारियों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण में डेंगू और चिकुनगुनिया से बचाव के तरीके बताए गए। इसमें मच्छरों के पनपने वाली जगहों को खत्म करने और लावार्नाशी छिड़काव की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टायर जैसी जगहों की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है, क्योंकि इन्हीं में मच्छर पनपते हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि समुदाय को जागरूक करने और संदिग्ध मामलों की समय पर सूचना देने में कम्युनिटी वॉलंटियर्स की बड़ी भूमिका होती है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शाहिद करीम साबरी ने कहा कि इन बीमारियों को रोकने में लोगों की भागीदारी सबसे जरूरी है।

# एसआईआर को लेकर कांग्रेस गंभीर, किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटने देंगे : के. राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू ने सोमवार को रांची के मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एंड कम्युनिकेशन विभाग तथा सोशल मीडिया विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में दोनों विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। इसमें मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए के. राजू ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पूरी तरह गंभीर है और पिछले कई महीनों से राज्यभर में इस अभियान पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने 21 हजार से अधिक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता एसआईआर को लेकर पूरी तरह सजग और सक्रिय है।

के. राजू ने कहा कि कांग्रेस का स्पष्ट संकल्प है कि किसी भी पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार बिना किसी वैध कारण के प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता मतदाता सूची के पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखे हुए हैं और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में षड्यंत्रपूर्वक मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाने का प्रयास किया है और अब झारखंड में भी वैसी ही कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता पूरी सतर्कता के साथ इस प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है और किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना उचित कारण के मतदाता सूची से हटने नहीं दिया जाएगा। के. राजू ने कहा कि देश के लोकतंत्र को मजबूत करने में कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी, जिससे देश के करोड़ों युवाओं को मतदान का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने युवाओं को यह अधिकार दिलाया, उसी पार्टी का दायित्व है कि वह प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा भी सुनिश्चित करे। बैठक के बाद प्रदेश मीडिया संयोजक डॉ. एम. तौसीफ ने बताया कि के. राजू ने मीडिया और सोशल मीडिया विभाग को निर्देश दिया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े तथ्यों और कांग्रेस के पक्ष को प्रभावी ढंग से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मीडिया एंड कम्युनिकेशन विभाग की समीक्षा बैठक प्रत्येक माह की तीन तारीख को नियमित रूप से आयोजित की जाए।

बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया संयोजक किशोरनाथ सहदेव, डॉ. एम. तौसीफ, सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन गजेंद्र सिंह, रिंकू तिवारी, शकील अख्तर अंसारी, सुनील सिंह, ऋषिकेश सिंह, अख्तर अली, उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, प्रशांत पांडेय, मनीष राज, राजीव नारायण प्रसाद, विजय नायक सहित मीडिया एवं सोशल मीडिया विभाग के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## सहकारिता बैंक ऋण घोटाला मामले में संजय कुमार डालमिया को हाई कोर्ट से जमानत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : झारखंड राज्य सहकारिता बैंक की सरायकेला शाखा से कथित 50 करोड़ रुपये के ऋण घोटाला मामले के आरोपित व्यवसायी संजय कुमार डालमिया को झारखंड उच्च न्यायालय से राहत मिली है। न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें जमानत दे दी। मामले में प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा।

इससे पहले संजय कुमार डालमिया ने चाईबासा स्थित एसीबी की विशेष अदालत में जमानत के लिए आवेदन किया था, लेकिन विशेष अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इस संबंध में 22 अगस्त 2019 को सरायकेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि व्यवसायी संजय कुमार डालमिया ने विभिन्न कंपनियों के नाम पर बैंक से करीब 50 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया, जिसे बाद में वापस नहीं किया गया। प्राथमिकी में बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सुनील कुमार सतपति, सहायक मदन लाल प्रजापति, मैनेजर धीरेंद्र कुमार सवैयां, क्षेत्रीय कार्यालय चाईबासा के तत्कालीन एजीएम, लेखापाल शंकर बंदोपाध्याय, तत्कालीन प्रबंध निदेशक (एमडी) मनोज नाथ शाहदेव, मुख्यालय के एजीएम संदीप सेन, तत्कालीन मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ) ब्रजेश्वर नाथ तथा व्यवसायी संजय कुमार डालमिया सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था।

## सात से नौ अगस्त तक लगेगा इस्पात महिला विकास सहयोग समिति का वार्षिक मेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : इस्पात महिला विकास सहयोग समिति की ओर से तीन दिवसीय वार्षिक मेला सात से नौ अगस्त तक मेकॉन कम्युनिटी हॉल, श्यामली कॉलोनी, डोरंडा में आयोजित किया जाएगा। मेले में महिला उद्यमियों और कारीगरों द्वारा तैयार हस्तशिल्प एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जाएगी। इसकी जानकारी मेकॉन की सीमतिंनी साहु ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में दी।

विज्ञप्ति के अनुसार, मेले का उद्घाटन सात अगस्त को समिति की सोनी वर्मा, रश्मि वर्मा, निक्की राज, कंचन झा तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में होगा। वहीं, मेले के दूसरे दिन राज्यसभा सांसद महुआ मांझी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस दौरान वह विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करेंगी।

आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष मेले में लगभग 50 से 60 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें हस्तशिल्प, परिधान, आभूषण, जूट बैग, डोकरा कला, पेंटिंग्स, राखियां और अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री होगी। मेले में राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिला उद्यमी और कारीगर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

समिति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ना तथा उन्हें आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की दिशा में प्रोत्साहित करना है।

## प्रेस क्लब में ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्स एंड एडिटर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : सोमवार को रांची प्रेस क्लब में 'ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्ष एंड एडिटर्स एसोसियेशन' की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य अखबारों के संचालन में आ रही व्यावहारिक और वित्तीय समस्याओं पर चर्चा करना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अशोक कुमार ने कहा कि यह पहल सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि प्रकाशकों और संपादकों की पीड़ा को सरकार तक पहुंचाने का एक जरिया है। उन्होंने बताया कि समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विभागीय मंत्री और उच्च अधिकारियों से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रमुखता से मांग उठाई गई कि 75 हजार से कम प्रसार संख्या वाले अखबारों को जीएसटी और जटिल प्रक्रियाओं से पूर्ण छूट दी जाए। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अखबार ही एकमात्र ऐसा उत्पाद है जो अपनी लागत से काफी कम कीमत पर बिकता है और पाठकों से जीएसटी नहीं वसूला जाता। प्रेम शंकरण, प्रशांत कुमार और सुमन कुमार सिंह ने बार-बार नियम बदलने पर चिंता जताई और पूर्व की व्यवस्था लागू करने की मांग की। सुझाव दिया गया कि यदि जीएसटी अनिवार्य है, तो इसे न्यूजप्रिंट निर्माताओं और विज्ञापनदाताओं से 'सोर्स पर' ही वसूला जाए। नित्यानंद शुक्ला, अनुपम शशांक, राज किशोर सिन्हा और विनय कुमार ने जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने की वकालत की।

## झारखंड के पांच जिलों में आज भारी बारिश का येलो अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के पांच जिलों में मंगलवार को भारी बारिश की संभावना है। इसे देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

मौसम विभाग के अनुसार रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और सिमडेगा जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने तथा वज्रपात की भी संभावना जताई गई है।

राज्य में मानसून की सक्रियता बढ़ने से वर्षा की कमी में लगातार सुधार हो रहा है। एक जून से 20 जुलाई तक झारखंड में सामान्य से 33 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। इससे एक दिन पहले यानी रविवार तक यह कमी 37 प्रतिशत थी। लगातार हो रही बारिश के कारण वर्षा घाटे में कमी आने लगी है।

# एक्साइज ड्यूटी घटने का लाभ ठेकेदार नहीं रख सकता, जेयूवीएनएल को मिलेगा : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची** : झारखंड उच्च न्यायालय ने एम/एस जय बी. एंटरप्राइजेज से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि यदि किसी अनुबंध के दौरान एक्साइज ड्यूटी की दर में कमी आती है, तो उसका लाभ ठेकेदार अपने पास नहीं रख सकता। ऐसी स्थिति में कर में हुई कमी का लाभ नियोक्ता संस्था को मिलेगा। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने एम/एस जय बी. एंटरप्राइजेज की रिट याचिका खारिज करते हुए यह निर्णय दिया।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयूवीएनएल) द्वारा ठेकेदार के बिल से 18,49,682 रुपये की की गई कटौती पूरी तरह वैध है। इसलिए याचिकाकर्ता इस राशि की वापसी का हकदार नहीं है। न्यायालय ने कहा कि यदि कर की दर बढ़ने पर अतिरिक्त वित्तीय भार जेयूवीएनएल वहन करता है, तो कर में कमी आने पर उसका लाभ भी उसी संस्था को मिलना चाहिए। यदि कर में कमी का लाभ ठेकेदार को रखने दिया जाए, तो यह अनुचित आर्थिक लाभ (अनजस्ट एनरिचमेंट) की स्थिति होगी, जिसे कानून स्वीकार नहीं करता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि एक्साइज ड्यूटी कम होने से ठेकेदार की लागत या उसके लाभांश में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, बल्कि केवल उसकी कर देनदारी घटी। इसलिए कर में हुई कमी का लाभ अंततः उस संस्था तक पहुंचना चाहिए, जिसने भुगतान किया है।

दरअसल, एम/एस जय बी. एंटरप्राइजेज को वर्ष 2009 में कतरास 10वीं एपीडीआरपी परियोजना का कार्य आवंटित किया गया था। कार्यादेश के अनुसार सामग्री की कीमत सभी करों और एक्साइज ड्यूटी सहित निर्धारित की गई थी तथा अनुबंध अवधि के दौरान इन कीमतों को स्थिर (फर्म) रखा गया था। कार्य निष्पादन के दौरान केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी की दर 8 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी। इसके बाद जेयूवीएनएल ने ठेकेदार के बिल से 18,49,682 रुपये की कटौती कर ली। इस कटौती को चुनौती देते हुए एम/एस जय बी. एंटरप्राइजेज ने झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि कार्यादेश के अनुसार अनुबंध मूल्य पूरी तरह निश्चित था और उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकता था। इसलिए एक्साइज ड्यूटी में कमी के आधार पर बिल से राशि काटना अवैध है। अपने पक्ष में याचिकाकर्ता ने सेल ऑफ गुड्स एक्ट, 1930 की धारा 64ए तथा उच्चतम न्यायालय के नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड मामले के निर्णय का भी हवाला दिया। वहीं, जेयूवीएनएल की ओर से अदालत को बताया गया कि कार्यादेश के साथ निविदा (एनआईटी) की शर्तें भी अनुबंध का अभिन्न हिस्सा थीं। इन शर्तों में स्पष्ट प्रावधान था कि कर एवं शुल्क में होने वाले वैधानिक परिवर्तन का समायोजन वास्तविक आधार पर किया जाएगा। इसलिए एक्साइज ड्यूटी में कमी का लाभ भी जेयूवीएनएल को मिलना चाहिए।

## संक्षिप्त खबरें

### जीनस इनोवेशन ने रांची डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन में पेश किया हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर

**रांची** : एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स (ईएसएस) और रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस (आरईएमएस) के क्षेत्र में काम करने वाले जीनस इनोवेशन लिमिटेड ने हाल ही में रांची में डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें पूर्वोत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों से जुड़े चैनल पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने पार्टनर्स के साथ जुड़ाव को और मजबूत करना तथा हाइब्रिड सोलर इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस से जुड़ी कंपनी की नई तकनीकों से उन्हें रूबरू कराना था। इस मौके पर कंपनी ने अपने नए हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर की शुरूआत भी की। इसके जरिए जीनस इनोवेशन का उद्देश्य तेजी से बढ़ते बाजारों में स्मार्ट और बैटरी सपोर्ट वाले सोलर सॉल्यूशंस को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। यह डिस्ट्रीब्यूटर सम्मेलन कंपनी और उसके चैनल पार्टनर्स के बीच बातचीत का एक अहम मंच रही। इस दौरान, कंपनी ने अपनी आगे की योजनाओं को साझा किया और सोलर व एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस की अपनी बढ़ती रेंज के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के जरिए कंपनी ने यह भी बताया कि वह अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को नए प्रोडक्ट्स, जरूरी तकनीकी जानकारी और कारोबार बढ़ाने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। जीनस इनोवेशन का यह नया समाधान सोलर, बैटरी और ग्रिड पॉवर को बेहतर तरीके से एक साथ जोड़ने की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। और साथ ही, इससे उपभोक्ता अपने बिजली बिल को लगभग ना के बराबर कर पाएंगे। कंपनी की रेंज में इस नए प्रोडक्ट को शामिल किए जाने पर जीनस इनोवेशन लिमिटेड के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स ऑफिसर यश तोदी ने कहा, श्हमारे डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर्स जीनस इनोवेशन की विकास यात्रा के सबसे अहम हिस्सों में से एक हैं। भारत में ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और सोलर एनर्जी व एनर्जी स्टोरेज की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि हम अपने चैनल पार्टनर्स को ऐसी तकनीकों से जोड़ें, जो ग्राहकों की नई जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ कारोबार के नए अवसर भी उत्पन्न करें। उन्होंने कहा, श्पूर्वोत्तर भारत, खासकर रांची में रूफटॉप सोलर और भरोसेमंद बैकअप सॉल्यूशंस को लेकर लोगों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

### आंगनवाड़ी सेविका सड़कों पर उतरीं, सब्र का बांध टूटा : जे पी पांडेय

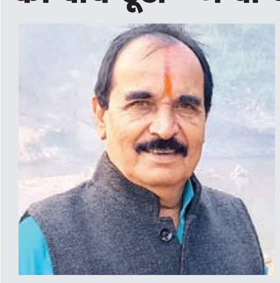

**रांची** : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता सह झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने राजस्थान में कई दिनों से जारी आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका आंदोलन पर चर्चा करते हुए कहा कि आंगनवाड़ियों का सब्र का बांध टूट चुका है। थक हार कर सभी सेविका और सहायिकाएं सड़को पर उतर कर पूरे राजस्थान के सड़को को जम कर दिया है और सभी जिलों के कलेक्टर कार्यालयों के रास्ते का चक्का जाम कर दिया है,जिसके कारण बाध्य होकर राज्य सरकार को अन्य राज्यों के भांति वेतन बढ़ाने पर लिखित समझौता हुआ है और अभी आंदोलन को कुछ समय के लिए स्थगित किया गया है। आंदोलन खत्म नहीं किया गया है। आखिर कब तक आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं का शोषण जारी रहेगा। अब तो लग जग 50 वर्ष सेवा करते हो चुके है,सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कई निर्णय भी आ चुके है कि कम से कम रिटायर्ड करने वाले सेविका और सहायिका को पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ राज्य सरकार प्रदान करे। परंतु राज्य सरकार अभी तक कोई राशि नहीं दिया है। केवल सूचना दे दी जाती है कि आपकी सेवा समाप्त हो गई है। अब आपको नहीं आना है। ऐसा महिला कामगार आपने नहीं देखा होगा, जहां पर राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिल कर शोषण कर रहा हो, हाला की राज्यकर्मी का दर्जा देने का अधिकार तो राज्य सरकारों का है जिन्हें राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान करना है।परंतु सभी मूकदर्शक रहकर महिलाओं के हक का शोषण कर रहे है। आखिर मानदेय पर छिड़ा संग्राम ऊंट के मुंह में जीरा के सामन कब तक रहेगा। आखिर कोई भी राज्य सरकार आंगनवाड़ी को राज्यकर्मी का दर्जा क्यों नहीं देना चाहती है। जब की ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती, धात्री, 0 से 06 माह के बच्चे, 06 माह से 03 वर्ष तक के बच्चों और 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों का भोजन एवं देखभाल और पोषण आंगनवाड़ी करती है, इसके अतिरिक्त टीकारण, बीएलओ, मेडिकल क्षेत्रों, जनगणना, एफ आर एस,राशन वितरण और अन्य सभी कार्य उधार राशन वर्तमान दर से खरीद कर बच्चों को वितरण करना पड़ता है।

### अनुसूचित जाति आयोग के शीघ्र गठन की मांग को लेकर विजय शंकर नायक ने के. राजू को सौंपा ज्ञापन

**रांची** : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने झारखंड कांग्रेस प्रभारी माननीय श्री के. राजू को अनुसूचित जाति आयोग के शीघ्र गठन की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 338 की भावना के अनुरूप झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग का जल्द गठन करने की मांग की गई, ताकि अनुसूचित जाति समुदाय के संवैधानिक अधिकारों की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित हो सके। विजय शंकर नायक ने कहा कि आयोग के गठन से अनुसूचित जाति समाज से जुड़े अत्याचार, भेदभाव, आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों की प्रभावी निगरानी एवं त्वरित समाधान संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह दलित समाज की वर्षों पुरानी और न्यायोचित मांग है। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने मांग को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस विषय को पार्टी नेतृत्व एवं राज्य सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

### निगम ने मोरहाबादी में सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण, डूरंड कप के लिए बनेगी अस्थायी पार्किंग

**रांची** : डूरंड कप को लेकर नगर निगम ने सोमवार को मोरहाबादी में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस मौके पर होटल पार्क प्राइम से टीआरआई और अंतु चौक तक अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस दौरान सरकारी जमीन को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान करीब छह अस्थायी संरचनाएं, बैरिकेडिंग, अवैध होर्डिंग, विज्ञापन बोर्ड, ठेला-खोमचा समेत अन्य को भी हटाया गया। अतिक्रमण मुक्त करने के दौरान एक निजी प्ले स्कूल से सरकारी जमीन को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके अलावा अवैध टाइल्स फ्लोरिंग तोड़ी गई, झाड़ियों की सफाई की गई। अभियान का निरीक्षण अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी जमीन पर दोबारा अतिक्रमण न होने पाए। इसके लिए नियमित निगरानी रखी जाए और किसी भी नए कब्जे की कोशिश पर कार्रवाई की जाए।

# कोडरमा पुलिस की बड़ी सफलता : अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** चंदवारा थाना क्षेत्र में उरवां पेट्रोल पंप के पास हुई आभूषण छिनतई मामले का कोडरमा पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लूटे गए आभूषणों की शत-प्रतिशत बरामदगी के साथ घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक, डिक्की खोलने में इस्तेमाल होने वाली टी आकार की मास्टर-की, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान भी जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व चंदवारा निवासी अशोक सोनी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उनकी मोटरसाइकिल की डिक्की से आभूषणों से भरा बैग उड़ा लिया था। मामले में चंदवारा थाना कांड संख्या 50/26 दर्ज कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया।

टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर अपराधियों का सुराग जुटाया। जांच में पता चला कि आरोपी उड़ीसा के जाजपुर जिले में छिपे हैं। इसके बाद पुलिस ने कोराई थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो आरोपियों राजु दास और धनराज प्रधान को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर गिरोह की महिला सहयोगी ट्विंकल दास को कोडरमा रेलवे स्टेशन के समीप से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय है और मोटरसाइकिल की डिक्की खोलने के लिए विशेष टी आकार की मास्टर-की का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने 16 जोड़ी पायल, 7 चेन, 11 बिछिया, 13 अंगूठियां, बच्चों के 4 कंगन, 3 मढ़े हुए कंगन, विभिन्न प्रकार के 24 से अधिक ताबीज व लॉकेट, 22 नोज पिन, 4 नथिया, ज्वेलरी मापक यंत्र, दो मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक, बैग तथा टी आकार की मास्टर-की सहित अन्य सामान बरामद किया है। कार्रवाई में चंदवारा थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार, नवलशाही थाना के सहायक अवर निरीक्षक राजीव कुमार एवं चंदवारा थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आमजन की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर कोडरमा पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

## एक नजर

### न्यू कॉलोनी में चोरों का आतंक, एक ही रात तीन घरों को बनाया निशाना

**कोडरमा :** कोडरमा न्यू कॉलोनी में चोरों ने देर रात लगातार तीन घरों को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, सबसे पहले चोरों ने सुनील यादव के घर में चोरी का प्रयास किया, लेकिन वहां सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद चोर आगे बढ़े और शिवनंदन प्रसाद तथा सचिन यादव के सूने मकानों में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि घटना के समय दोनों परिवार अपने घरों पर मौजूद नहीं थे, जिसका फायदा उठाकर चोर घर में दाखिल हो गए घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

### दो मोहनी धाम में दूसरी सोमवारी कांवड़ पदयात्रा की तैयारियां तेज

**चंदवारा :** सावन माह की दूसरी सोमवारी पर आयोजित होने वाली कांवड़ पदयात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के उद्देश्य से रविवार को चंदवारा प्रखंड स्थित दो मोहनी धाम मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा तय की गई तथा घर-घर प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक शिवभक्तों की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता आरागरो पंचायत के मुखिया मुंशी यादव ने की, जबकि संचालन योगाचार्या सुषमा सुमन एवं प्रदीप कुमार सुमन ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सावन की दूसरी सोमवारी कांवड़ पदयात्रा को पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिकाधिक श्रद्धालु इस पुण्य यात्रा में शामिल हो सकें। इसके अलावा प्रचार-प्रसार को और प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही आयोजन की अंतिम तैयारियों की समीक्षा के लिए अगली बैठक 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) दोपहर 2 बजे दो मोहनी धाम मंदिर परिसर में आयोजित की जाएगी।

### जयनगर के सभी 121 मतदान केंद्रों पर कल चुनाव पाठशाला

**जयनगर :** विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 22 जुलाई 2026 (बुधवार) को प्रखंड जयनगर के सभी 121 मतदान केंद्रों पर सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चुनाव पाठशाला एवं बीएलओ एवं बीएलए-2 की तृतीय बैठक आयोजित की जाएगी। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी, जयनगर ने सभी मतदाताओं, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान डुप्लीकेट प्रविष्टि, मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं अन्य संदिग्ध मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही प्रपत्र-6, 6अ, 7 एवं 8 की समीक्षा, 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिकों के मतदाता पंजीकरण तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन पर भी चर्चा होगी। प्रशासन ने ऐसे मतदाताओं से भी अपील की है, जिन्होंने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे 22 जुलाई को निर्धारित समय के भीतर अपने संबंधित बीएलओ को प्रपत्र अवश्य जमा करें।

## कोडरमा में पहली बार निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**झुमरीतिलैया :** कोडरमा जिले के धार्मिक इतिहास में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा पूरे धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। ऐतिहासिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूरे शहर में हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन और जय जगन्नाथ के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। रथयात्रा का शुभारंभ सुभाष चौक से मुख्य अतिथि कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने भगवान के रथ को खींचकर किया। इसके बाद रथ स्टेशन रोड, झंडा चौक, पूर्णिमा टॉकीज, काली मंदिर, महाराणा प्रताप चौक, मौसीबाड़ी होते हुए संकट मोचन मंदिर पहुंचा। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और जगह-जगह भगवान की आरती, पुष्पवर्षा तथा जयघोष के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर इस्कॉन हजारीबाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. केशव आनंद दास ने कहा कि कोडरमा की पावन भूमि पर पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन होना अत्यंत गौरव एवं सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह आयोजन सफल हुआ और आने वाले वर्षों में यह रथयात्रा और भी भव्य स्वरूप में आयोजित की जाएगी। विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि झुमरीतिलैया में पहली बार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की रथयात्रा निकलना पूरे जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकता, प्रेम और सेवा का संदेश देने वाला महापर्व है। उन्होंने कहा कि पहली बार निकली यह भव्य रथयात्रा निश्चित रूप से कोडरमा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

## 500 रुपये के टेंट के बांस के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मरकच्चो :** नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगोडीह में 500 रुपए के टेंट में लगने वाला बास के लिए एक युवक की पीट पीट कर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान ध्रुप साव उम्र 34 वर्ष पिता रमन साव साकिन डोंगोडीह थाना नवलशाही के रूप में किया गया। घटना रविवार की देर शाम की बताई जाती हैं। घटना को लेकर मृतक की बूढ़ी मां ने बताया कि मेरा बेटा ध्रुप साव अपने छत पर से 2 से 3 बास को उतार रहा था। इस दौरान मेरे घर के बगल डीजे संचालक डोंगोडीह निवासी सूरज साव पिता मोहन साव एवं मोहन साव पिता स्व भातु साव अपने अन्य साथी के साथ आया और मेरे बेटे को टेंट का बास का चोर कहते हुए मेरे बेटे से धक्का मुक्की करते हुए गांव के पीछे ले गया। जहां उक्त लोगों ने लाठी और बेल्ट से मार मार कर लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद मेरा बेटा घायल अवस्था में घर आया और खून की उल्टी करने लगा। हम सब परिजन घबरा गए और उससे पूछें तो उसने बताया कि डीजे संचालक सूरज साव और उसके पिता मोहन साव तथा उसके टेंट वाला सब लोगों ने मिलकर मुझे बहुत मारा है। परिजनों ने स्थानीय मुखिया से सहायता लेकर कोडरमा सदर अस्पताल ले गए जहां उपस्थित डॉक्टर ने रांची रेफर कर दिया। वही रांची रिम्स में इलाज के दौरान सोमवार को मेरा बेटा ने दम तोड़ दिया। इधर इस घटना के बाद डीजे संचालक सूरज साव एवं उसके परिजन सब फरार हो गए। वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे तीन छोटे बच्चे व अपनी पत्नी और बूढ़ी मां एवं बाप को छोड़ गया है।

## दिव्यांगों को मिली पेंशन, मंईयां योजना की तर्ज पर नियमित सहयोग की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**अनगड़ा :** रांची झारखण्ड राज्य में दिव्यांगजनों को पेंशन मिलने से क्षेत्र के लाभुकों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से आर्थिक सहायता की प्रतीक्षा कर रहे दिव्यांगजन अब राहत महसूस कर रहे हैं। तबरेज अंसारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए बधाई दिया कहा कि यह उनके जीवनयापन में महत्वपूर्ण सहयोग साबित होगा। आगे दिव्यांग जिला अध्यक्ष तबरेज अंसारी ने कहा कि जिस प्रकार मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, उसी प्रकार दिव्यांगजनों के लिए भी सम्मानजनक और नियमित पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। उनका कहना है कि दिव्यांगजन समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए निरंतर आर्थिक सहयोग मिलना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि दिव्यांग पेंशन की राशि बढ़ाई जाए तथा सभी पात्र लाभुकों को बिना किसी बाधा के समय पर पेंशन उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाई का सामना न करना पड़े।

## चांडिल चौक पर एआईडीएसओ का प्रदर्शन, एनटीए खत्म करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चांडिल :** आंदोलनरत सोनम वांगचुक और लोकतांत्रिक आंदोलन के ऊपर बर्बरता पूर्ण दमन के खिलाफ चांडिल चौक में एआईडीएसओ की ओर से पुतला दहन व विरोध सभा। छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन ( एआईडीएसओ) सरायकेला खरसावां जिला काउंसिल की ओर से दिल्ली के जंतर मंतर में आंदोलनरत सोनम वांगचुक और लोकतांत्रिक आंदोलन के ऊपर बर्बरता पूर्ण दमन के खिलाफ चांडिल चौक में प्रधानमंत्री मोदी जी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया । सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव युधिष्ठिर प्रमाणिक ने कहा कि जैसा की आप सभी जानते हैं, पूरे देश में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का प्रश्नपत्र बार-बार लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की घटनाएँ होने से लाखों छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। इन समस्याओं के विरोध में तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक सोनम वांगचुक पिछले कई दिनों से आंदोलनरत थे। कल उन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा गैर-लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन स्थल से जबरन हटा दिया गया। साथ ही 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर भी दमनात्मक कार्रवाई की गई। हम छात्र संगठन एआईडीएसओ की ओर से मांग करते है कि -1. देश और विभिन्न राज्यों में हो रहे पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाया जाए। 2. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। 3. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को रद्द किया जाए। 4. लोकतांत्रिक आंदोलन में पुलिसी हस्तक्षेप बंद किया जाए। कार्यक्रम में एआईडीएसओ जिला अध्यक्ष विशेश्वर महतो, उपाध्यक्ष कार्तिक गोप व राजा प्रमाणिक, राहुल महतो, रोहित प्रमाणिक, और अन्य छात्र उपस्थित थे।

## जागरुक होकर ही अधिकारों को प्राप्त किया सकता है : प्रधान जिला जज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा रमाकांत मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में पिछले दिनों आयोजित निबंध प्रतियोगिता, चित्रांकन प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सोमवार को डीएलएसए के हाल में एक कार्यक्रम आयोजित कर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सम्मानित किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में प्रथम सिम्मी कुमारी, द्वितीय अंबिका कुमारी एवं तृतीय आकृति कुमारी रही( तीनों सिडी गर्ल्स हाई स्कूल झुमरी तिलैया), निबंध प्रतियोगिता में प्रथम लक्ष्मी कुमारी सीएच प्लस टू उच्च विद्यालय झुमरी तिलैया, द्वितीय राजवीर कुमार सीएच प्लस टू उच्च विद्यालय झुमरी तिलैया तृतीय रानी कुमारी परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा। एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम श्रेया राज, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा, द्वितीय कविराज कोडरमा उच्च विद्यालय कोडरमा एवं तृतीय नंदनी कुमारी परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा रही। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमाकांत मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को कानून के प्रति जागरूक करना है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके । उन्होंने कहा कि 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य नालसा, झालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी, गांव - गांव पंचायत - पंचायत और घर-घर पहुंचाना था। इसमें डीएलएसए, एलएडीसीएस, एवं पीएलवी का अहम योगदान रहा। इससे पूर्व बाल विवाह, बाल मजदूरी, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति, मानव तस्करी, दहेज उत्पीड़न के क्षेत्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा किए गए कार्यों का प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डीएलएसए सेक्रेटरी प्रज्ञा वाजपेई ने किया। मौके पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सचिंद्रनाथ सिंहा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा, सीजीएम अमित कुमार वैष्य, जेएम सत्यभामा कुमारी, ज्योतसष्ना पांडे, नमिता मिंस, मुनसफ मिथिलेश कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता नवल किशोर, किरण कुमारी, राजेंद्र मंडल, अरुण कुमार ओझा, अश्विनी शरण, न्यायालय कर्मी, संजय कुमार, रंजीत कुमार सिंह, सरिता, विद्या, संतोष कुमार, सुनील कुमार, शेखर कुमार, रविंद्र यादव, कंचन कपूर आदि लगे रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### मारवाड़ी युवा मंच ने खेलकूद के जरिए दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

**झुमरी तिलैया :** मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया शाखा द्वारा झारखंड प्रांतीय के 'रजत जयंती सृजन से सम्मान तक' अभियान के तहत 8वें कार्यक्रम 'युवा विकास एवं खेलकूद' का भव्य आयोजन किया गया। यह विशेष आयोजन मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल जी के सम्मान में समर्पित था। रांची-पटना रोड स्थित चांडक कैंपस में आयोजित इस खेल महोत्सव में समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतियोगिता में बच्चों और महिलाओं से लेकर मंच के सदस्यों तक ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। आज के डिजिटल युग में जहाँ बच्चे घरों में सिमटकर मोबाइल की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं, वहीं इस कार्यक्रम ने उन्हें मैदान पर उतरने की नई प्रेरणा दी। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा, इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'चलो चलें बचपन की ओर' थीम को सार्थक करना है। हम चाहते हैं कि बच्चे मोबाइल की स्क्रीन छोड़कर बाहर निकलें, मैदान में खेलें और शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनें। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग आयु वर्ग के लिए कई तरह की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें पारंपरिक खेल पिट्टो (सतोलिया), स्पून रेस (चम्मच दौड़), स्केटिंग और चेस (शतरंज) जैसे खेल शामिल रहे। बड़ी संख्या में आए बच्चों ने इन खेलों का भरपूर आनंद लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

### विश्व भारती जनसेवा संस्थान का राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन सत्याग्रह 9 अगस्त से

**सिल्ली :** विश्व भारती जनसेवा संस्थान प्रमुख लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष जनार्दन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव नागेंद्र कुमार कुशवाहा पिछले 1-2 साल से सहारा इंडिया में फंसे 13 करोड़ निवेशकों का 3 लाख करोड़ रुपया वापस दिलाने के लिए आंदोलन कर रहा है पहले झारखंड के डीजीपी से बैठक, डीजीपी ने सहारा की लीगल टीम को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था कि निवेशकों के 400 करोड़ रुपये 15 दिन में वापस करें, वरना गिरफ्तारी होगी। 2 अप्रैल 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन की बात कहे चाहे सुप्रीम कोर्ट में याचिका डालने की और अब 9 अगस्त से रांची स्थित राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन अनशन/सत्याग्रह करने की तैयारी में है। सहारा कार्यकर्त्ता मनोज कोईरी ने यह जानकारी देते हुए बताया की इस सत्याग्रह में अधिक से अधिक संख्या में सहारा निवेशकों को शामिल होने का अपील किया जा रहा है।

### रुक्का रोड की बदहाली पर भाजपा का चक्का जाम, सड़क मरम्मत की उठी मांग

**अनगड़ा :** भाजपा कुचु एवं ओरमांझी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में रुक्का रोड की बदहाल स्थिति के विरोध में रुक्का रोड की जर्जर एवं बदहाल स्थिति के विरोध में एक दिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं आम जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखा गया धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा रांची जिला पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज जी, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन , प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर जी, भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरनाथ चौधरी सत्यदेव रोहित साहू जी, मुंडा जी, मानकी राजेंद्र साही जी, शशि मेहता , विक्रांत तिवारी , अर्जुन सिंह , राजेश गुप्ता जी, कुलदीप साहू जी, राजधाम साहू दीपक बड़ाईक जी एवं बसंत चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग शामिल रहे।

### पहाड़सिंह में 25 केवीए ट्रांसफॉर्मर का किया गया उद्घघाटन

**सिल्ली :** सोमवार के दिन सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के पंचायत बरवादाग के गांव पहाड़सिंह में 25 केवीए के बिजली ट्रांसफॉर्मर का सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के द्वारा विधिवध पूजा अर्चना कर उद्घघाटन किया गया। वहीं इस गांव के संतोष अहीर ने बताया कि पिछले कई दिनों से 25 केवीए का बिजली ट्रांसफॉर्मर खराब था जिससे बिजली उपभोक्ता एवं इस क्षेत्रों के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा था परंतु कार्तिक चन्द्र महतो के प्रयास से ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया। अब गांव पहाड़सिंह के ग्रामीणों को बिजली मिल गयी है एवं अंधेरे से रोशनी मिल गई है। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव शमशेर आलम, सोशल मीडिया प्रखंड प्रभारी मोहताब अंसारी, सोनाराम मुंडा, शिवनाथ अहीर, ग्रामीण योगेंद्र अहीर, जितवाहन लोहरा, रूपेश अहीर, नितेश अहीर, रणजीत अहीर, अजीत अहीर, अजय अहीर, प्रदीप अहीर, अमन अहीर, जय किशोर लोहरा, देबू लोहरा, सुदर्शन लोहरा साथ ही विजली मिस्त्री गंगाधर महतो, जयप्रकाश महतो, सुफल बेदिया इत्यादि ग्रामीण उपस्थित हुए।

### कुकड़ू ब्लॉक मोड़ पर तिरुलडीह पुलिस की सघन वाहन जांच, संदिग्ध वाहनों की हुई जांच

**कुकड़ू :** सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड मोड़ पर सोमवार को पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आने-जाने वाले दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सीट बेल्ट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। वाहन चालकों का सघन तलाशी ली गई। जांच के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, बिना हेलमेट वाहन नहीं चलाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने से बचने की सलाह दी। पुलिस ने बताया कि यह अभियान क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाया गया। तिरुलडीह थाना पुलिस ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार का जांच अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

### रोजगार सेवको ने दी चेतावनी मानदेय नहीं तो प्रखंड मुख्यालय गेट में जड़ेंगे ताला

**पटमदा :** सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी को रोजगार सेवक संघ बोड़ाम के द्वारा एक ज्ञापन सौंपकर 14 माह से लंबित मानदेय भुगतान की मांग की गई हैं। ज्ञापन के माध्यम से रोजगार सेवक संघ ने मांग रखा है कि प्रखंड के रोजगार सेवक क्षेत्रभ्रमण सहित कई कार्य लगातार करते आ रहे हैं। काम के बाद मानदेय नहीं मिलने से परिवार चलाना,कार्य करना में आर्थिक कमी के कारण भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई हैं। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिनों के अंदर सभी के खाते में मानदेय की राशि नहीं पहुंचती हैं। तो प्रखंड मुख्यालय गेट के बाहर धरना,सपरिवार धरना,प्रखंड मुख्यालय गेट में ताला बंदी सहित कई प्रकार के प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

# पुलिस-जनता संवाद से बढ़ेगा भरोसा, अपराध पर होगी सख्त कार्रवाई, सिमरिया थाना में हुई विशेष बैठक

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

**सिमरिया :** सिमरिया थाना परिसर में सोमवार को पुलिस और आम जनता के बीच आपसी विश्वास, बेहतर सहयोग एवं जन-समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष पुलिस-पब्लिक संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) शुभम नागरगोजे भाऊ साहेब ने की, जबकि संचालन नवपदस्थापित थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बेहतर समन्वय से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। बैठक में स्थानीय लोगों ने साप्ताहिक बाजार में हब्बा-डब्बा जुआ एवं अवैध शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, क्षेत्र में संचालित अवैध मिनी शराब फैक्ट्रियों को बंद कराने, सुदूर इलाकों में अफीम की खेती रोकने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने, हजारीबाग रोड स्थित कदले के पास नो-एंट्री लागू करने तथा बाजार के दिन भारी वाहनों का परिचालन एक घंटे विलंब से कराने की मांग उठाई। इसके अलावा सिमरिया चौक के बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को चालू कराने, जबड़ा चौक पर नए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा सिमरिया हाई स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास असामाजिक तत्वों एवं आवारा युवकों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों पर एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा कि थाना आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है। पुलिस 24 घंटे गश्त पर रहती है। यदि मेरी अनुपस्थिति में किसी आवेदन पर कार्रवाई नहीं होती है, तो सीधे मुझे इसकी सूचना दें। बैठक के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित लोगों के साथ अपने मोबाइल नंबर भी साझा किए और किसी भी अपराध अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में प्रखंड प्रमुख रोहन साहू, उप प्रमुख दामोदर गोप, जिला परिषद सदस्य देवनंदन साहू, पूर्व जिला परिषद सदस्य जयप्रकाश सिंह, अनामिका देवी, लखन साव, नेमधारी महतो, सुनीता देवी, नरेश साव, विनोद महतो, गिरेंद्र पांडे, सलीम अख्तर, विनोद बिहारी, मनोज महाजन, रविंद्र सिंह, अजय ठाकुर, मो. अख्तर, मोहम्मद ऐनुल हक, परमेश्वर यादव, सरोज गंझू सहित सैकड़ों की संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

## एक नजर

### बारीसाखी पंचायत भवन में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया गया आयोजन

**गिद्धौर :** गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारीसाखी पंचायत भवन में सोमवार को लोकनायक जयप्रकाश नेत्र अस्पताल, बहरा आश्रम के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। जांच के दौरान एक मरीज में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई, जिसे निःशुल्क ऑपरेशन के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं एक अन्य मरीज बाद में अस्पताल पहुंचकर अपना ऑपरेशन एवं आवश्यक उपचार कराएगा। अस्पताल की ओर से जांच से लेकर ऑपरेशन और उपचार तक की सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में डॉ. प्रवीण सिंह, नर्स सुनीता देवी, कविता देवी एवं सागर सिंह ने लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया।

### पंखे से लटक कर नव विवाहिता ने कर ली खुदकुशी

**खूंटी :** जरियागढ़ थाना क्षेत्र के कर्रा-गोविंदपुर रोड स्थित कैंची मोड़ में सोमवार को नवविवाहिता ने कथित रूप से साड़ी का फंदा बनाकर पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कर्रा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लापुंग थाना क्षेत्र के तपकरा गांव निवासी आनंद गोप की शादी 05 मई 2026 को समुदर गांव निवासी मोहन गोप की पुत्री रेखा से हुई थी।

## संक्षिप्त खबरें

### 722 ग्राम सूखा अफीम बरामद, चार लाख रुपये कीमत की अफीम जब्त

**सिमरिया :** चतरा पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लावालौंग थाना क्षेत्र के बुलबुल गांव में छापेमारी कर 722 ग्राम सूखा अफीम बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने गांव निवासी सकुन्ती देवी (पतिद्द बासुदेव गंझू) को नामजद अभियुक्त बनाते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई जा रही है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (आईपीएस) नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि सकुन्ती देवी अपने घर में बिक्री के उद्देश्य से सूखा अफीम छिपाकर रखी हुई है। सूचना के सत्यापन के बाद एसपी के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने बुलबुल गांव पहुंचकर सकुन्ती देवी के घर की घेराबंदी की। तलाशी के दौरान घर के अंदर छिपाकर रखा गया एक स्टील का केन बरामद हुआ। केन खोलने पर उसमें से 722 ग्राम सूखा अफीम मिला। पुलिस ने मौके से अफीम के अलावा सकुन्ती देवी के नाम का बैंक ऑफ इंडिया का पासबुक भी जब्त किया। इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या-49/2026, दिनांक 20 जुलाई 2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(सी), 27(ए) एवं 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अब आरोपी महिला के बैंक खातों की जांच करने के साथ-साथ उसके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की भी पड़ताल कर रही है, ताकि इस अवैध नशा कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

### दानदहा घाटी में भीषण सड़क हादसा टला, चालक को आई झपकी, पेड़ से टकराया ट्रेलर

**मयूरहंड :** चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत करमा गांव स्थित दानदहा घाटी में सोमवार देर रात करीब 11 बजे एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। चालक को वाहन चलाते समय झपकी आने से एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े विशाल पेड़ से जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में चालक पूरी तरह सुरक्षित बच गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रेलर अपने निर्धारित गंतव्य की ओर जा रहा था। दानदहा घाटी से गुजरने के दौरान चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिससे वाहन पर से उसका नियंत्रण हट गया और ट्रेलर सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर के बाद सड़क पर मलबा फैल गया और कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने चालक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद जेसीबी और क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त ट्रेलर को सड़क से हटवाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मार्ग को पूरी तरह साफ कर यातायात को सामान्य कर दिया गया। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान पर्याप्त आराम करने के बाद ही वाहन चलाएं, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

## 17 लाख की जमीन ठगी मामले में बड़ी कार्रवाई, लंबे समय से फरार महिला गिरफ्तार

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

**सिमरिया :** जमीन के नाम पर लाखों रुपये की कथित ठगी के मामले में सिमरिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रही आरोपी फरहद बेगम को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी महिला सिमरिया प्रखंड के टूटीलावा गांव की निवासी है। चतरा न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के आलोक में थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, मिश्रोल निवासी मो. नेसारुद्दीन ने वर्ष 2025 में सिमरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि 3 जून 2023 को मौजा टूटीलावा स्थित 5 एकड़ 21 डिसमिल भूमि का सौदा हुआ था। इस दौरान फरहद बेगम, मो. अरसद, शमसुद्दीन अहमद, शहनाज प्रवीण और नूर जहां ने आरटीजीएस, चेक एवं नकद के माध्यम से 17-17 लाख रुपये प्राप्त किए। शिकायत के अनुसार, रजिस्ट्री के समय कथित रूप से धोखाधड़ी करते हुए केवल 3 एकड़ 12 डिसमिल जमीन ही खरीदार के नाम दर्ज की गई, जबकि शेष 2 एकड़ 8 डिसमिल भूमि की रजिस्ट्री नहीं की गई। आरोप है कि इस शेष भूमि के एवज में फरहद बेगम और शमसुद्दीन अहमद ने 34 लाख रुपये लेने के बावजूद जमीन का हस्तांतरण नहीं किया। विरोध करने पर पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने सभी पांच आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसी क्रम में पुलिस ने फरहद बेगम को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि इस मामले में शामिल अन्य फरार आरोपी मो. शमसुद्दीन अहमद, फिरोज आलम, एहतेशामुद्दीन और मो. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

## दिवंगत राजद नेता शिव यादव के परिजनों से मिले पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

**हंटरगंज :** हंटरगंज प्रखंड के नावाडीह पनारी पंचायत निवासी एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के दिवंगत वरिष्ठ नेता शिव यादव के निधन पर शुक्रवार को पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता उनके पैतृक आवास पहुंचे।

उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें इस कठिन समय में धैर्य रखने का संबल दिया। पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि शिव यादव आजीवन राष्ट्रीय जनता दल की विचारधारा के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहे।

उन्होंने तन, मन और धन से संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राजद परिवार और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में पूरा राजद परिवार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। इस अवसर पर राजद हंटरगंज प्रखंड अध्यक्ष देवलाल यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत नेता शिव यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक, राजनीतिक एवं संगठनात्मक योगदान को याद किया।

## अग्निवीरों का भव्य स्वागत, मयूरहंड में सेना के लिए चयनित युवाओं का हुआ सम्मान

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

**मयूरहंड :** मयूरहंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोढ़ी नदी के पावन तट पर भारतीय सेना के लिए चयनित अग्निवीरों के सम्मान में भव्य एवं भावनात्मक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और गर्व का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने सेना के लिए चयनित युवाओं का गर्मजोशी से स्वागत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से यशवंत दांगी एवं बाल्मीकि कुमार सुमन उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिकों ने भी समारोह में भाग लेकर अग्निवीरों का उत्साहवर्धन किया। अग्निवीरों के आगमन पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने फूल-मालाएं पहनाकर और तिलक लगाकर देश सेवा के लिए चयनित युवाओं का अभिनंदन किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मात्रम के नारों से पूरा कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अग्निवीर योजना देश के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। सेना में चयनित ये युवा पूरे क्षेत्र का गौरव हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इनके जज्बे से अन्य युवाओं में भी राष्ट्रसेवा की भावना मजबूत होगी। समारोह में बाबूलाल दांगी, बालेश्वर सर, समाजसेवी विजय दांगी, पिंटू कुमार दांगी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं सम्मानित लोग उपस्थित रहे। सभी ने अग्निवीरों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समारोह युवाओं का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि उन्हें अपने अग्निवीरों पर गर्व है और पूरा क्षेत्र सदैव उनके साथ खड़ा रहेगा।

## टीएसपीसी के मोस्ट वांटेड उग्रवादी नरेश गंझू उर्फ रविकांत गिरफ्तार

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

**सिमरिया :** चतरा पुलिस को उग्रवाद के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के वांछित उग्रवादी नरेश गंझू उर्फ रविकांत जी को पुलिस ने लावालौंग थाना क्षेत्र के मंघनिया गांव स्थित जंगल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, यूएपीए एवं सीएलए एक्ट समेत आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। सोमवार को सिमरिया अनुमंडल पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (आईपीएस) नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि अनुमंडल पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी संगठन का वांछित उग्रवादी नरेश गंझू उर्फ रविकांत जी पिता स्व. विश्वनाथ गंझू, निवासी मंघनिया, थाना लावालौंग चोरी-छिपे अपने घर आया हुआ है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मंघनिया गांव स्थित फुटबॉल मैदान के समीप घने जंगल में घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी के विरुद्ध बालूमाथ थाना कांड संख्या 168/2019 एवं 22/2021, लावालौंग थाना कांड संख्या 46/2019 एवं 23/2020, कुंदा थाना कांड संख्या 31/2018 तथा सिमरिया थाना कांड संख्या 30/2018 दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट तथा यूएपीए एवं सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पूर्व में दो बार गिरफ्तारी हो चुकी है।


## झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

### ई० अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० : RDSD/RAMGARH/10/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :– DMFT मद अन्तर्गत।

| क्र | आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या | प्रखण्ड | योजना का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि (रू०) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०) | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | RDSD/RGH/10/ 2026-27, | Gola | Gola Vendor Market Development Scheme For Promotion of Local Livelihoods (Phase-II) | 49981800 | 1000000 | 10000 | 03 (तीन माह) |

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 31.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 31.07.2026 से 07.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 09.08..2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

PR 385376 Rural Development (26-27)_D



## जिला मत्स्य पदाधिकारी, खूँटी

### मत्स्य कृषकों के लिए निजी जमीन पर बायोफ्लॉक तालाब निर्माण हेतु आवेदन आमंत्रण

एतद् द्वारा खूँटी जिले के मत्स्य पालकों को रोजगार के रूप में अपनाने वाले जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में विभागीय स्वीकृत्यादेश संख्या–15 रा० (वि०) दिनांक– 23.06.2026 के द्वारा राज्य योजना तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के परिशिष्ट– VIII के आलोक में निजी जमीन पर 0.1 हेक्टेयर (एक यूनिट) के बायोफ्लॉक तालाब निर्माण (इनपुट सहित) हेतु भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत स्वीकृत इकाई दर के अनुरूप मो०–14.00 लाख (चौदह लाख) रुपये मात्र अंतर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य कोटि के लिए कुल–03 यूनिट तालाब निर्माण की स्वीकृति प्राप्त है, जिसकी विस्तृत विवरणी निम्न प्रकार है :–

| क्र० सं० | योजना का नाम | कोटि | जलक्षेत्र (हेक्टेयर में) | यूनिट | इकाई लागत राषि (लाख रू० में) | सरकार द्वारा देय अनुदान की राषि | लाभुक अंषदान की राषि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बायोफ्लॉक तालाब निर्माण (इनपुट सहित) | अनुसूचित जनजाति | 0.1 हे0 | 1 यूनिट | 14.00 प्रति यूनिट | 80% अथवा 11.20 लाख रुपये | 20% |
| | | अनुसूचित जाति | 0.1 हे0 | 1 यूनिट | | 80% अथवा 11.20 लाख रुपये | 20% |
| | | अन्य कोटि | 0.1 हे0 | 1 यूनिट | | 70% अथवा 9.80 लाख रुपये | 30% |

उपरोक्त योजनान्तर्गत इच्छुक मत्स्य कृषक जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से आवेदन पत्र निःशुल्क प्राप्त कर पूर्णरूपेण भरकर कार्यालय कार्य अवधि में **दिनांक–30.07.2026 तक** निम्न अहर्त्ताओं के अधीन जमा कर सकते हैं :–

**आवेदन हेतु अहर्त्ताएं** :–

1. जिन आवेदकों के घर के नजदीक इस योजना हेतु आवेदित जमीन उपलब्ध है तथा पूर्व से मछली पालन के कार्य से जुड़े है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।
2. बायोफ्लॉक तालाब निर्माण हेतु आवेदक द्वारा आवेदित भूमि समुचित एवं अविवादित होनी चाहिए। तत्संबंधी शपथ–पत्र आवेदन के साथ संलग्न करेंगे।
3. आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि पहले से बैंक में किसी ऋण के एवज में बंधक नहीं हो, शपथ पत्र संलग्न करेंगे।
4. आवेदक द्वारा आवेदित भू–खण्ड पर उसका वैध दखल–कब्जा वर्त्तमान में बरकरार हो जिसका, अंचलाधिकारी स्तर से निर्गत भू–स्वामित्व प्रमाण पत्र/जमीनी प्रतिवेदन आवेदन के साथ संलग्न करेंगे।
5. इस योजना में तालाब निर्माण हेतु लाभुक का अंशदान निहित है अतएव आवेदक को आर्थिक रूप से सक्षमता संबंधी शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा कि आवेदक अपना अंशदान व्यय करने में सक्षम है।
6. आवेदक द्वारा आवेदित भू–खण्ड पर किसी प्रकार का पूर्व से तालाब अथवा गड्ढे का निर्माण नहीं होना चाहिए।
7. आवेदन के साथ इस योजना हेतु आवेदित भू–खण्ड का आवेदक के साथ जियोटैग (GPS) फोटो आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. आवेदन पत्र के साथ आधार व पैन कार्ड की स्व०–अभिप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
9. आवेदक का NFDP Portal एवं BlockChain पर निबंधन संबंधी प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।
10. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आवेदक द्वारा Online जाति प्रमाण–पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
11. चयनित होने के उपरांत लाभुक को अपने अंशदान की राशि से प्रथमतयः कार्य प्रारम्भ करना होगा तत्पश्चात् ही अनुदान की राशि भुगतान की जाएगी।
12. उपरोक्त के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार वांछित कागजात कार्यालय में समर्पित करना अनिवार्य होगा।
13. पूर्णरूपेण भरे गये एवं सभी वांछित कागजात संलग्न होने पर ही आवेदन स्वीकार किये जाएँगे।
14. "पहले आओ पहले पाओ" की तर्ज पर लाभुक चयन की प्रक्रिया की जायेगी।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी

PR 385391 (Fish)26-27*D


## डीसीए कार्यकारिणी से बिना सूचना और बिना त्यागपत्र के हुई कार्रवाई : संतोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन यानी डीसीए की कार्यकारिणी समिति से एक सदस्य संतोष कुमार सिंह को हटाए जाने का मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है। संतोष ने इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे एकतरफा और नियमों के विपरीत बताया है। उनका कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना, बिना सहमति और बिना त्यागपत्र दिए ही कार्यकारिणी सदस्य पद से हटा दिया गया, जबकि उनका निर्वाचन वर्ष 2024 से 2027 के कार्यकाल के लिए विधिवत चुनाव प्रक्रिया के तहत हुआ था।

20 जुलाई को समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद सदस्य संतोष कुमार सिंह ने सोमवार को अपना पक्ष सार्वजनिक किया। उन्होंने कहा कि वे लगातार पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। उनका दावा है कि उनका चुनाव तत्कालीन सहायक निर्वाचन पदाधिकारी और निर्वाचन पदाधिकारी की देखरेख में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें पद से हटाने से पहले न तो कोई औपचारिक सूचना दी गई और न ही उनसे कोई स्पष्टीकरण मांगा गया। साथ ही उनके आचरण पर लगाए गए सभी आरोपों को उन्होंने निराधार, तथ्यहीन और असत्य बताया। संतोष ने धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष से संस्था के संविधान, गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डीसीए को क्रिकेट के विकास के लिए समर्पित संस्था के रूप में ही कार्य करना चाहिए और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से समीक्षा होगी तथा सच्चाई सभी के सामने आएगी।

## बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया।

# विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

ललित गर्ग

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है।

विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरूआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है।

विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए।

गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है।

विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है।

इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है।

विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने कभी साइकिल और बैलगाड़ी पर रॉकेट के पुर्जे ढोए थे और आज निजी क्षेत्र के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वास्तव में, विक्रम-1 केवल एक रॉकेट नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास का उड़ता हुआ प्रतीक है।

# मित्रों के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देने वाले जयप्रकाश का जाना

विजय केसरी

मित्रों के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी, धमार्नुरागी जयप्रकाश साव का जाना समाज के लिए एक अपूर्णीय है। किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि इतनी कम उम्र में हंसते - गाते और गुनगुनाते हुए सबों को छोड़कर चले जाएंगे। वे बचपन से ही सहयोगी प्रकृति के रहे थे। उनका यह स्वभाव जीवन पर्यंत बना रहा था। लोग उनकी सहजता और सरलता की मिसाल देते नहीं थकते हैं। वे साक्षात दया, करुणा और वात्सल्य के प्रतिपूर्ति थे। उनका संपूर्ण जीवन पीड़ित मानवता की सेवा, समाजोत्थान, व्यवसाय, अध्यात्म के प्रचार-प्रसार और मित्रों के सहयोग में बीता था। वे अंतर्मन से एक अध्यात्मिक व्यक्ति थे। वे बहुत ही छोटी उम्र में संत बाल योगेश्वर की संस्था राज विद्या केन्द्र से जुड़ गए थे। चूंकि उनके पिता स्वर्गीय मानिक चंद साव, संत बाल योगेश्वर की संस्था के एक गुरु से दीक्षित हुए थे। उनके पिता जीवन पर्यन्त इस संस्था के विचारों को आगे बढ़ाते रहे थे। आगे जयप्रकाश साव भी पिता के पद चिन्हों पर चलते इस संस्था को प्रमोट करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए थे। हजारीबाग ग्राम कूद स्थित राज विद्या केंद्र की एक शाखा खुलवाने में स्वर्गीय मानिक चंद साव और उनके पुत्र जयप्रकाश साव महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए थे। आज यह संस्था देश की अग्रणी दस संस्थानों में एक है। उनका जन्म 22 सितंबर 1960 को हजारीबाग में हुआ था। उनके पिता स्वर्गीय मानिक चंद साव और माता स्वर्गीय बेदामी देवी दोनों धमार्नुरागी थे। वे दोनों आगत अतिथियों का स्वागत बहुत ही मन से किया करते थे। गरीबों और लाचारों के प्रति उन दोनों का व्यवहार देखते बनता था। उन दोनों को कोई कुछ अपशब्द बोल भी देते तो पलटकर कभी भी अपशब्द नहीं बल्कि आशीर्वाद ही दिया करते थे। ऐसी सीख जयप्रकाश साव को बचपन में ही अपने माता-पिता से मिली थी। उन्होंने भी माता-पिता की इस सीख को अपने कार्य और व्यवहार में पूरी तरह उतार कर रख दिया। था। वे अपने वृद्ध पिता को व्यवसाय में सहयोग करने के लिए मात्र दस वर्ष की उम्र में ही व्यवसाय से जुड़ गए थे। वे व्यवसाय करते हुए मात्र दशमी तक ही पढ़ाई कर पाए थे। जयप्रकाश साव की शादी 19 जून 1981 में शोभा देवी के साथ हुई थी। गत वर्ष बहुत ही कम उम्र में शोभा देवी का भी निधन हो गया था। जयप्रकाश साव अपनी बीमार रह सही पत्नी की खूब सेवा की थी। उन्होंने विवाह के मंडप में जो संकल्प लिया था, उस संकल्प को बखूबी निभाया था। वे दोनों हजारीबाग नगर के एक आदर्श दंपति के रूप में जाने जाते थे।

वे अक्सर कहा करते थे कि 'हमारे प्रथम गुरु हमारे माता-पिता ही हैं। आज मैं जो कुछ कर पा रहा हूं, यह सब माता-पिता की ही कृपा है। वे व्यवसाय के दौरान कभी भी खिन्न नहीं होते बल्कि हमेशा मुस्कुरा कर ही ग्राहकों से बात किया करते थे। उन्हें कभी भी गुस्से के मूड में नहीं देखा जाता था बल्कि उनके पास जो भी लोग आते थे, उनके व्यवहार से उनका मूड ठीक हो जाया करता था। वे व्यवसाय करने के साथ संत बाल योगेश्वर के विचारों को भी अपने लोगों के बीच रखा करते थे । इसके साथ ही वे इस संस्था के साहित्य को भी आम लोगों के बीच मुफ्त वितरण किया करते थे। उनकी माता का निधन असमय हो जाने के कारण जयप्रकाश साव को माता की सेवा करने का कम अवसर मिल पाया था। लेकिन उन्होंने अपने पिता की खूब सेवा की थी। दिनभर व्यवसाय करने के बाद रात्रि में घर आने के बाद अपने पिता का हाथ - पैर दबाना कभी नहीं भूलते थे। यह कार्य इनके दैनिक दिनचर्या में शामिल था। पिताजी क्या खाना चाहते हैं ? क्या पहनना चाहते हैं ? इन बातों का बहुत ही अच्छे ढंग ख्याल रखा करते थे।? आज की पीढ़ी को जयप्रकाश साव से अपने माता-पिता की खिदमत करने की सीख लेनी चाहिए।? इसीलिए स्वर्गीय मानिक चंद साव के अंतिम दिनों में ईश्वर के बाद दूसरा नाम जयप्रकाश साव का ही उनके मुखारविंद पर बना रहा था।

जयप्रकाश साव हजारीबाग के कई व्यावसायिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर बहुत सारा कार्य किया। हजारीबाग में कार्यरत आध्यात्मिक, सांस्कृतिक,वैचारिक और सामाजिक संस्था सागर भक्ति संगम के बैनर के लिए उन्होंने जो किया सदा याद किया जाता रहेगा। स्थानीय स्वर्ण जयंती पार्क में प्रातः कालीन चलने वाली इस संस्था में वे नियमित आया करते थे। वे इस संस्था के एक सम्मानित सदस्य रहे थे। वे संस्था के सदस्यों को अपने विचारों से रौशन भी कर दिया करते थे। वे कहा करते थे कि 'मैं ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं हूं, लेकिन अंतर्मन से ईश्वर को अनुभव करता हूं। ईश्वर मनुष्य से दूर नहीं है बल्कि मनुष्य में ही ईश्वर का वास करते हैं। ईश्वर के बिना मनुष्य की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। इसलिए मनुष्य को बाहर में ईश्वर ढूंढने से बेहतर है,स्वयं में अंतर्निहित ईश्वर का दर्शन करने का अभ्यास करना चाहिए। प्रतिदिन अंदर के ईश्वर को देखने का थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करना चाहिए। ऐसे बंदों के लिए ईश्वर दोनों बाहों से गले लगाने के लिए खड़े रहते हैं।' आगे उन्होंने कहा कि 'मनुष्य अपने जीवन में जो कुछ भी करता है, उसके कर्म का उसके ही जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए व्यक्ति को हमेशा पाप कर्म से दूर रहना चाहिए। लोगों को सदा सद मार्ग पर चलना चाहिए। यही मार्ग सच्चा मार्ग है। यही आवागमन के चक्र से मुक्ति का मार्ग है।' उनके ये विचार आध्यात्मिकता से ओतप्रोत होता। उनकी बातों में दम होता। ऐसे विचारों वे से हमेशा संगम के सदस्यों को मालूमात कर दिया करते थे।

वे जब किसी को भी संकट में देखते,तो मदद करने के लिए दौड़ पढ़ते थे। उनसे जो कुछ भी बनता, सहयोग करने में पीछे नहीं हटते थे। बल्कि और भी राशि की जरूरत पड़ने पर अपने मित्रों से दान स्वरूप मांगने में कोई लज्जा नहीं करते थे। वे ठंड के दिनों में अपने मित्रों के सहयोग से गरीबों के बीच कंबल और वस्त्र बांटा करते थे। उनके मित्रों की सूची बहुत लंबी है। वे अपने मित्रों से नियमित रूप से मिला करते थे। किसी मित्र को किसी भी तरह की कोई परेशानी आने पर वे सबसे पहले मदद के लिए दौड़ पड़ते थे। वे अपने मित्रों के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए तत्पर रहते थे। उनका मत था कि 'धन आज है, कल नहीं रहेगा। लेकिन अगर मित्र को कुछ हो गया तो दोबारा मिलने वाला नहीं है। इसलिए सबसे कीमती मित्र है। धन नहीं। संसार का हर मनुष्य एक दूसरे का मित्र बन जाए तो वैश्विक स्तर पर जो वैमनस्यता और युद्ध का संकट है, हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।'

वे सागर भक्ति संगम के सदस्यों के सहयोग से हमेशा राष्ट्रीय आपदाओं पर बढ़ चढ़कर सहयोग किया करते थे। दुर्गा पूजोत्सव पर संगम में होने वाले कार्यक्रम में उनकी माहती भूमिका होती थी। इसके साथ ही स्वाधीनता दिवस और गणतंत्र दिवस के झंडोत्तोलन कार्यक्रम में भी उनकी असरदार भूमिका रहती थी। वे 'भोले ग्रुप' संस्था के संस्थापक सदस्य थे। वे इस भोले ग्रुप संस्था के माध्यम से हजारीबाग की इंटरनेशनल रामनवमी पर हर वर्ष गुड़, चना, शरबत, बिस्कुट और शुद्ध पानी आदि का वितरण किया करते थे। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने कई लोगों की मदद की। उनका कारवां यही नहीं रुका बल्कि वे कई व्यावसायिक संगठनों के माध्यम से भी लोगों की मदद करते रहे थे। उन्होंने कभी भी अपने सामाजिक कार्यों का प्रचार प्रसार खुद से नहीं किया। वे एक मिलनसार सहृदय व्यक्ति थे। वे जीवन पर्यंत खुद खुश रहकर दूसरे को खुशी देने का प्रयास करते रहे थे। उनका असमय जाना समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। समाज ने एक सच्चे मित्र, अभिभावक और सहयोगी को खो दिया है। वे अपने पीछे पुत्र राजू नायक, रोशन साव, पुत्री श्वेता देवी सहित दो पोता,दो पोती, एक नाती और तीन नतिनी सहित पूरा भरा परिवार छोड़कर चले गए। आज उनके दोनों पुत्र राजू नायक और रौशन साव भी पिता के ही पद चिन्हों पर चल रहे हैं।

(कथाकार /स्तंभकार)

### सूडोकु नवताल- 7862

★★★★☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | | | | 9 | 6 | | |
| | | | | | | 1 | 4 | |
| | | | 2 | 8 | | | | |
| | | | 8 | | | | 5 | 2 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| 1 | 4 | | | | 3 | | | |
| | | | | 4 | 1 | | | |
| | 2 | 5 | | | | | | |
| | | 3 | 7 | | | | | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7861 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

# भारतीय मजदूर संघ : श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

विपिन बिहारी पाठक

**श्रम का राष्ट्रीयकरण करें, उद्योग का श्रमिकीकरण करें और राष्ट्र का औद्योगीकरण करें -दत्तोपंत ठेंगड़ी**

यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के श्रम-दर्शन का सार है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोड़ा। यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। विश्व का बड़ा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था। उस समय श्रमिक आंदोलनों में "वर्ग संघर्ष" की अवधारणा प्रमुख थी। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना। उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं। इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग ही स्थायी विकास का मार्ग हो सकता है।

इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए 23 जुलाई 1955 को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई। इसकी शुरूआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई। न कोई बड़ा संगठन, न सदस्यता, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन। केवल 35 कार्यकताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठनों में गिना जाता है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की। उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

ठेंगड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया। उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार बनना। यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया।

बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और 'एकात्म मानववाद' पर आधारित है। यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है। इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं। यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढ़ेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा।

इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगड़ी ने "अधिकतम उत्पादन और समान वितरण" का सिद्धांत दिया। उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार।

भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य– "हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे"– आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है। यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए।

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की। उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए। "श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण" का उनका संदेश श्रमिक को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिमार्ता के रूप में स्थापित करता है। बीएमएस ने "औद्योगिक परिवार" की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया।

ठेंगड़ी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था। उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को ২विश्वकर्मा क्षेत्र২ की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया। यह दृष्टि आज 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे। उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनका मानना था कि आधुनिकीकरण आवश्यक है, परंतु उसका अर्थ पश्चिमीकरण नहीं हो सकता। विकास का भारतीय मॉडल भारतीय समाज, संस्कृति और परिस्थितियों के अनुरूप ही होना चाहिए।

आज भारतीय मजदूर संघ देशभर में हजारों संबद्ध यूनियनों और व्यापक सदस्य आधार के साथ श्रमिक हितों की आवाज बन चुका है। समय-समय पर उसने विभिन्न सरकारों की उन नीतियों का भी विरोध किया जिन्हें उसने श्रमिक हितों के प्रतिकूल माना।

## दैनिक पंचांग

21 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

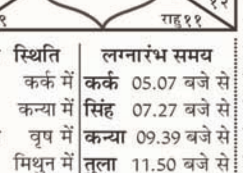


| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क में | कर्क | 05.07 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | सिंह | 07.27 बजे से |
| मंगल | वृष में | कन्या | 09.39 बजे से |
| बुध | मिथुन में | तुला | 11.50 बजे से |
| गुरु | कर्क में | वृश्चिक | 14.05 ब.से |
| शुक्र | सिंह में | धनु | 16.21 बजे से |
| शनि | मीन में | मकर | 18.26 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कुंभ | 20.12 बजे से |
| केतु | सिंह में | मीन | 21.45 बजे से |
| राहुकाल | | मेष | 23.15 बजे से |
| 3.00 से 4.30 | | वृष | 00.56 बजे से |
| बजे तक | | मिथुन | 02.54 बजे से |

**मंगलवार** 2026 वर्ष का 202 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** अष्टमी 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 20.49 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 18.26 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 16.36 बजे तदनन्तर बव 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.6 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 30'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872777
**जूलियन दिन** 2461242.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** सफर
**तारीख** 06
**विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, पार्वती जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## एक नजर

### तीनपहाड़ थाना कांड की नामजद अभियुक्ता गिरफ्तार

**साहिबगंज :** तीनपहाड़ थाना पुलिस ने एक लंबित आपराधिक मामले में कार्रवाई करते हुए थाना कांड संख्या 37/2026 की नामजद प्राथमिकी अभियुक्ता मीरा देवी, पति अक्षय राय, निवासी ग्राम जोंका, थाना तीनपहाड़, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, उक्त मामला 10 जुलाई 2026 को दर्ज किया गया था। इस कांड में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 126(2), 109(1), 303(2), 351(2), 352 एवं 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए अभियुक्ता को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

### पत्नी से मारपीट की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज

**साहिबगंज :** नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी मोहम्मद शाह आलम के विरुद्ध पत्नी के साथ मारपीट करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद शाह आलम पर अपनी पत्नी शकील बीवी के साथ मारपीट करने का आरोप है। घटना के बाद पीड़िता ने नगर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि शकील बीवी के बयान के आधार पर मोहम्मद शाह आलम के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

### एसटी आरक्षित सीट को लेकर संत कुमार घोष ने उठाए सवाल जांच की मांग

**साहिबगंज:** जिले के राजमहल लोकसभा संसदीय क्षेत्र से सांसद विजय हांसदा को संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजा गया है। यह जानकारी देते हुए केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने बताया कि राजमहल लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है और इस संबंध में संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। संत कुमार घोष ने आरोप लगाया है कि सांसद विजय हांसदा का वैवाहिक एवं सामाजिक जीवन ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार संचालित हो रहा है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्ष 2020 में उनका पहला विवाह ईसाई परंपरा के अनुसार हुआ था, वर्ष 2024 में उनकी दिवंगत पत्नी का अंतिम संस्कार भी ईसाई रीति से किया गया तथा हाल ही में उनका दूसरा विवाह रांची स्थित सेंट पॉल कैथेड्रल चर्च में ईसाई रीति-रिवाज से संपन्न हुआ। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर अपनी मूल आदिवासी परंपरा का त्याग किया है, तो उसका एसटी आरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व करना मूल आदिवासी समाज के अधिकारों का हनन है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि इससे अल्पसंख्यक और अनुसूचित जनजाति दोनों श्रेणियों का लाभ लेने की स्थिति उत्पन्न होती है। संत कुमार घोष ने लोकसभा अध्यक्ष से इन आरोपों की जांच कराते हुए आवश्यक कानूनी एवं संवैधानिक कार्रवाई करने तथा सांसद विजय हांसदा को राजमहल आरक्षित सीट से अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

# साहिबगंज में झमाझम बारिश, सड़कें बनीं तालाब, जनजीवन प्रभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** जिले में सोमवार को मूसलाधार बारिश हुई। भारी बारिश से गली-मोहल्ले में पानी भर गया। सुबह 9 बजे से शाम तक जिले में औसत एमएम बारिश रिकॉर्ड किया गया। वहीं, जिले में जोरदार बारिश में संत जेवियर, प्रोविडेंस, संत जोसेफ समेत कई निजी स्कूलों के बच्चे घर आने के क्रम में बारिश के पानी में भीग गए। जहां स्कूल खुले रहे वहां की उपस्थिति काफी कम थी। काम करने वाले कर्मियों को भी बारिश होने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शहर के पॉश कालोनियों में शुमार रिफ्यूजी कालोनी में भारी बारिश होने के बाद, पहाड़ से पानी उतरने से सड़क में पानी जमा हो गया। रेलवे नॉर्थ कालोनी के घरों में, टमटम स्टैंड के पास कुछ दुकानों में, जयप्रकाश नगर, कबूतरखोपी, रसूलपुर दहला, सहित अन्य मुहल्लों में पूरी तरह जलमग्न होने का खतरा बढ़ गया है। जहां भारी बारिश होने से रसूलपुर दहला के निचले हिस्सों में सड़क पर घुटने तक जल जमाव हो गया है।

**24 घंटा भारी बारिश होने से घरों व दुकानों में घुसने का खतरा**

इस मोहल्लों के कई घरों में पानी घुस सकता है। जहां बीते पिछले कई सालों में भारी वर्षा होने से टमटम स्टैंड के पास स्थित अंडरपास के पास पानी भर जाने से मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। हालांकि आज भी मार्ग में पानी बह रहा था। कुछ इसी तरह हालात साहिबगंज कॉलेज परिसर में स्थित छात्रावासों की है जहां बारिश के बाद पानी घुस जाता है, और छात्रों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जल निकासी के लिए पिछले (2-3 साल) पहले नगर परिषद ने साहिबगंज कॉलेज के सामने स्थित मार्केट को तोड़वा दिया था, लेकिन इसका कोई लाभ नहीं दिख रहा है। गौरतलब हो कि अभी सावन माह शुरू भी नहीं हुआ है जो यह 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा। उसके बाद भादो माह आना बाकी है जो सितंबर माह के अंतिम तक चलेगा। इस दौरान और जोरदार बारिश होने की उम्मीद है। अगर इसी तरह 24 घंटा मूसलाधार बारिश होती रही तो शहर सहित प्रखंडों के निचले हिस्सों में रहने वाले के घरों व दुकानों में पानी घुसने से सामानों का नुकसान और जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाएगा। वहीं जिला प्रशासन ने जिले वासियों से बारिश में सतर्क रहने की अपील की है और हर संभव मदद करने की आश्वासन दिया है।

### साहिबगंज में गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी संभावित बाढ़ के खतरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

**साहिबगंज :** गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बिहार के बक्सर से लेकर फरक्का तक जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। इधर कोशी जैसी सहायक नदी का पानी भी गंगा नदी में आने से जलस्तर में इजाफा देखा जा रहा है। प्रति घंटा एक सेमी की रफ्तार से पानी में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार सुबह गंगा नदी का जलस्तर 23.64 मीटर मापा गया है। इधर, केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, जलस्तर में अभी बढ़ोतरी होगी। यही स्थिति रही तो पांच से छह दिनों में गंगा चेतावनी रेखा 26.25 मीटर तक पहुंच जाएगी। साहिबगंज में खतरे का निशान 27.25 मीटर है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी से दियारा क्षेत्र में पानी घुसने लगा है। साहिबगंज जिला सदर ब्लॉक के सीओ सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने गंगा का दौरा करके जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन पिछले साल की भांति इस साल भी बाढ़ पीड़ितों को ठहरने के लिए व्यवस्था कर रहा है। बाढ़ का खतरा महसूस होने के साथ प्रशासन मदद को लेकर पूरी तरह से अलर्ट पर है।

## 22 जुलाई की चुनावी पाठशाला की तैयारी तेज, वालिंटियरों का प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हिरणपुर :** पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड में आगामी 22 जुलाई 2026 को प्रस्तावित बीएलओ, बीएलए-2 वालिंटियर बैठक एवं चुनावी पाठशाला की तैयारियों को लेकर बुधवार को घाघरजानी स्थित प्रखंड सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन संबंधी कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप ने वालिंटियरों को चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, प्रपत्रों के निष्पादन तथा उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता, निष्पक्षता और सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी ने भी निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक, बीएलए-2 तथा वालिंटियर उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए आगामी बैठक एवं चुनावी पाठशाला के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

## पाकुड़ मालगोदाम रोड पर लगेगी ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन, यात्रियों को मिलेगी राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पाकुड़ :** पाकुड़ रेलवे स्टेशन के मालगोदाम रोड स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे जल्द ही ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन लगाई जाएगी। पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल ने इसके लिए अनुमति प्रदान कर दी है। मशीन लगने से मालगोदाम रोड की ओर से आने वाले हजारों रेल यात्रियों को टिकट के लिए स्टेशन तक जाने और लंबी कतारों में लगने की परेशानी से राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार, नगर परिषद के वार्ड संख्या 11 की पार्षद निभा देवी ने गत माह मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा को पत्र लिखकर मालगोदाम रोड स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे एटीवीएम लगाने की मांग की थी। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया था कि इस क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में रेल यात्री यात्रा करते हैं, लेकिन टिकट की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मांग पर विचार करते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा ने उक्त स्थान पर एटीवीएम स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। इसके बाद वार्ड पार्षद निभा देवी की उपस्थिति में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) परितोष रंजन, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (दूरभाष) संजय कुमार ओझा, वरिष्ठ विद्युत अनुभाग अभियंता राजू कुमार तथा वाणिज्य पर्यवेक्षक सिकंदर मंडल ने स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा और उसके बाद मशीन स्थापित कर दी जाएगी। मालगोदाम रोड की ओर से रेलवे कॉलोनी, सिद्धार्थनगर, ईशाकपुर, मनीरामपुर, रहसपुर, इलामी, हरिगंज नवादा, संग्रामपुर, नवरत्तमपुर, जयकिष्टोपुर तथा रघुनंदनपुर (चांचकी-चांदपुर) सहित आसपास के कई गांवों और पंचायतों के लोग रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं। टिकट सुविधा नहीं होने के कारण कई बार यात्रियों को समय पर टिकट नहीं मिल पाता था, जिससे उन्हें असुविधा के साथ-साथ जुर्माने का भी सामना करना पड़ता था।

## पौधरोपण के साथ डीएवी शिक्षादीप स्कूल की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**लातेहार :** नई शाखा डीएवी शिक्षादीप जड़यांग स्कूल लातेहार का भव्य शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि राजेंद्र ठाकुर, राजकुमार ठाकुर, गुड्डू जी एवं विशिष्ट अतिथि डीएवी शिक्षा दीप ग्रुप के संस्थापिका नीलम देवी, डायरेक्टर शिवनंदन पाठक, छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच (यूनिट, छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा आदि मौजूद थे। रांची एवं इस क्षेत्र के सभी अतिथियों एवं विद्यालय परिवार के गुरुजन, छात्र-छात्राओं के द्वारा संयुक्त रूप से विद्यालय परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय वृक्ष लगाए गए और उन्हें देखभाल और बचाने का संकल्प भी लिया गया। यह वृक्षारोपण उत्सव पर्यावरण पवित्रता दिवस के रूप में मनाया गया। मौके पर विद्यालय के सचिव प्रभास गौरव ने कहा इस विद्यालय में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं संस्कारिक शिक्षा भी दी जाएगी ताकि बच्चे पढ़ लिखकर देश एवं माता-पिता की सेवा कर सकें। पीआरओ कुणाल कौशल ने कहा शिक्षा ही सर्वश्रेष्ठ धन है जो बांटने से और अधिक बढ़ती है वहीं डायरेक्टर शिवनंदन पाठक ने कहा डीएवी शिक्षा दीप के सैकड़ों विद्यार्थी आज डॉक्टर, इंजीनियर, एडवोकेट, वैज्ञानिक आदि आदि बनकर विद्यालय एवं अभिभावक का नाम रौशन कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं धन्यवाद ज्ञापित ब्रजेश कुमार पाठक एवं सुधीर कुमार द्वारा किया गया। विद्यालय परिवार ने विद्यालय के स्थापना में सहयोग के लिए देवमणि वैध एवं लाल महेंद्रनाथ शाहदेव के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी कर्मचारियों विद्यार्थियों एवं ग्रामीण सज्जनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## बंगला सावन के पहली सोमवारी को शिवगादी में जलाभिषेक को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** जिले के बरहेट में झमाझम बारिश के बीच भारी संख्या में श्रद्धालु बाबा दरबार शिवगादी पहुंचे। बंगला सावन की पहली सोमवारी को खासकर पश्चिम बंगाल से काफी तादाद में कांवरिया तथा श्रद्धालु पहुंचे। सबसे ज्यादा बाइक तथा वाहनों से कांवरिया आए थे। जबकि दर्जनों कांवरियों के जत्थे फरक्का के पवित्र गंगा घाट से गंगाजल लेकर पैदल मार्च कर पहुंचे। देर शाम तक करीब सात हजार से ज्यादा लोगों ने बाबा के दर्शन कर जलार्पण किया। इधर, मंदिर तथा मेला क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया पुलिस बल के साथ नजर रखे हुए थे। इधर, प्रबंध समिति की ओर से लोगों को स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत रौशनी, निःशुल्क कई धर्मशाला, दर्जन सुलभ शौचालय के साथ हर बुनियादी सुविधा देने के लिए बेहतर इंतजाम किया है। बाबा दरबार में लोगों को बेहतर सेवा देने के लिए समिति के सभी सदस्य एकजुट होकर व्यवस्था दे रहे हैं। समिति की ओर से सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेवारी दे दी गई है। थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने कहा कि बाबा दरबार पहुंचने वाले हर एक श्रद्धालुओं की सुरक्षा देने के लिए पुलिस तत्पर है।

# शहरी जलापूर्ति योजना के निरीक्षण को लेकर समाजसेवी एवं जनहित याचिकाकर्ता ने मुख्य सचिव को शिकायत पत्र भेजकर जांच व कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना के निरीक्षण को लेकर समाजसेवी एवं जनहित याचिकाकर्ता सिधेश्वर मंडल ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव को विस्तृत शिकायत पत्र भेजकर जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि झारखंड हाईकोर्ट के डब्ल्यू.पी. (पीआईएल) संख्या 667/2018 में पारित आदेश की भावना के अनुरूप योजना का समुचित स्थल निरीक्षण नहीं किया गया। शिकायत पत्र के अनुसार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव द्वारा 13 जुलाई 2026 को साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना का निरीक्षण प्रस्तावित था, लेकिन पहले तालझारी प्रखंड के बुसरी पहाड़ तथा राजमहल प्रखंड के पूर्वी नारायणपुर बेंगडुब्बी में जल जीवन मिशन की योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इसके बाद साहिबगंज लौटकर मात्र सीमित समय में कुछ चुनिंदा स्थलों का निरीक्षण कर औपचारिकता पूरी कर दी गई। सिधेश्वर मंडल का आरोप है कि 28 वार्डों में संचालित शहरी जलापूर्ति योजना के बजाय केवल वार्ड संख्या 5, 16 और 25 के कुछ स्थलों का लगभग एक घंटे में निरीक्षण किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण के समय और विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी पूर्व में उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे प्रभावित पक्षों और जनप्रतिनिधियों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने योजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं, संवेदक को अधिक भुगतान, सकरीगली घाट स्थित इंटेक वेल एवं पंप हाउस के स्थल परिवर्तन तथा नए निर्माण कार्यों में कथित घटिया गुणवत्ता से जुड़े दस्तावेज सचिव के समक्ष प्रस्तुत किए। हालांकि, उनका दावा है कि इन बिंदुओं पर यह कहकर विचार नहीं किया गया कि मामला हाईकोर्ट से संबंधित नहीं है। समाजसेवी ने अपने पत्र में कहा है कि यदि उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद व्यापक एवं निष्पक्ष निरीक्षण नहीं किया गया, तो यह न्यायालय के आदेश की भावना के विपरीत है। उन्होंने पेयजल आपूर्ति में हो रही देरी और कथित लापरवाही को नागरिकों के जीवन के अधिकार से भी जोड़ा है। मुख्य सचिव से की गई शिकायत में उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा की गई कार्रवाई की प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। शिकायत पत्र के साथ विभागीय पत्राचार, निरीक्षण संबंधी दस्तावेज तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टों की प्रतियां भी संलग्न की गई हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### मोहनपुर के युवाओं ने पेश की मिसाल, श्रमदान कर भरे सड़क के गड्ढे

**हिरणपुर :** पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर-महेशपुर डगापाड़ा मुख्य मार्ग पर मोहनपुर छोटी नदी के समीप जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीणों ने आखिरकार खुद ही समाधान निकाल लिया। लंबे समय से सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण राहगीरों, बाइक चालकों और स्थानीय लोगों को रोजाना भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात में इन गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटनाओं का खतरा और भी बढ़ गया था। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। प्रशासनिक उदासीनता से नाराज गांव के युवाओं ने सरकार का इंतजार छोड़ स्वयं श्रमदान करने का निर्णय लिया। रविवार को तमिरुल अंसारी, जफरुद्दीन अंसारी, सद्दाम मोमिन, जमीर अंसारी सहित कई युवाओं ने एकजुट होकर सड़क के जानलेवा गड्ढों में मिट्टी और अन्य सामग्री डालकर उन्हें भरने का कार्य किया, ताकि लोगों का आवागमन सुरक्षित हो सके। युवाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि आम लोगों को दुर्घटनाओं से बचाना है। युवाओं की इस पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। ग्रामीणों ने इसे सामाजिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यदि वे केवल सरकारी मरम्मत का इंतजार करते रहते, तो समस्या का समाधान कब होता, इसका कोई भरोसा नहीं था। ऐसे में गांव के युवाओं ने अपने श्रम और सामूहिक प्रयास से यह साबित कर दिया कि समाज की भलाई के लिए जनसहभागिता सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द स्थायी रूप से सड़क की मरम्मत कराने की भी मांग की है, ताकि भविष्य में लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

### विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ संख्या 147 पर लगा विशेष शिविर

**हिरणपुर :** पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्यक्रम के तहत बूथ संख्या 147 पर रविवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाना तथा निर्वाचन अभिलेखों को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना रहा। शिविर के दौरान मतदाताओं से भरे हुए गणना प्रपत्र प्राप्त किए गए। इसके साथ ही प्राप्त प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन तथा अनमैप मतदाताओं की मैपिंग का कार्य भी किया गया। निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त बीएलओ एवं अन्य कर्मियों ने मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रपत्रों का सत्यापन और संकलन किया। अधिकारियों ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है, ताकि सभी पात्र मतदाताओं के नाम सही ढंग से निर्वाचन अभिलेखों में दर्ज हो सकें और उन्हें मतदान के अधिकार का निर्बाध लाभ मिल सके।

### पाकुड़ में एआईएमआईएम का एसआईआर हेल्प डेस्क, लोगों को मिल रही निःशुल्क सहायता

**पाकुड़ :** जिले में एआईएमआईएम पाकुड़ के तत्वावधान में पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के निर्देश पर पाकुड़ प्रखंड की हीरानंदपुर एवं नवादा पंचायत में एसआईआर हेल्प डेस्क के माध्यम से आम लोगों को लगातार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। हेल्प डेस्क पर बड़ी संख्या में नागरिकों के एसआईआर फॉर्म भरवाए गए तथा उन्हें आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित जानकारी देकर हरसंभव सहयोग प्रदान किया गया। हेल्प डेस्क पर मौजूद एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने लोगों को फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई और यह सुनिश्चित किया कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी प्रक्रिया से वंचित न रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी प्रयास बताया। पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर ने कहा कि एआईएमआईएम केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर उनकी समस्याओं के समाधान में सहयोग करना भी पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पार्टी लगातार कार्य कर रही है और आने वाले दिनों में जिले की अन्य पंचायतों में भी एसआईआर हेल्प डेस्क के माध्यम से निःशुल्क सहायता अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा और समर्पण की भावना के साथ लोगों के बीच रहकर जरूरतमंदों की हरसंभव मदद करने की अपील की, ताकि कोई भी व्यक्ति सरकारी प्रक्रियाओं से वंचित न रह जाए।

### न्यायालय से निर्गत आरोपी के घर में इस्तेहार तामील चिपकाया

**साहिबगंज :** राजमहल अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय से निर्गत सीसी संख्या 421/2022 के आलोक में थाना क्षेत्र के पोखरिया पत्थर चपटी निवासी आरोपी अमजेद अंसारी के विरुद्ध सोमवार को विधिवत इस्तेहार तामील किया गया। तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से इस्तेहार निर्गत हुआ था, जिसे नियमानुसार तामील कराया गया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन को लेकर पुलिस लगातार आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। मौके पर एएसआई नारद गौहलोत सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

### मुख्य गेट का ताला तोड़ घर में घुसे चोर चोरी की कोशिश विफल

**साहिबगंज :** जिले के बरहेट घोबडीहा स्थित एक पत्रकार के घर मे बीते रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक बार फिर चोरी का प्रयास किया। इस मामले में पत्रकार अजीत झा ने बताया कि चोर मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में घुस कमरे के सामानों को तितर वीतर कर दिया। हालांकि घर में नकदी व जेवरात नहीं रहने से अज्ञात चोरों का चोरी का प्रयास विफल रहा। जब अजीत झा सुबह अपने घर पहुंचे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ पाया। घर के अंदर प्रवेश करने पर कमरों का सामान बिखरा मिला। इससे स्पष्ट है कि चोरों ने कीमती सामान की तलाश में पूरे घर को खंगाला था। घर में नकदी या जेवरात नहीं रखे होने के कारण बड़ी चोरी की घटना टल गई। बताया गया कि इससे पहले भी 14 अप्रैल को इसी मकान में अल्बेस्टर छत तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था। लगातार दूसरी बार चोरी की घटना से आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल है।

## एक नजर

### संदिग्ध स्थिति में एक व्यक्ति की हुई मौत

**सरिया** : सरिया थाना क्षेत्र के सबलपुर पंचायत अंतर्गत उर्रो गांव निवासी 45 वर्षीय मनोज मोदी,पिता लाटो मोदी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। जिसे अंतिम संस्कार के लिए परिवार के लोगों द्वारा मुक्ति धाम ले जाया गया। परंतु सरिया पुलिस को किसी माध्यम से जानकारी मिली कि उक्त व्यक्ति की मौत जहर खाने से हुई है। सूचना मिलते ही सरिया पुलिस बराकर नदी स्थित श्मशान घाट पहुंची। पुलिस को देखते ही सभी लोग शव छोड़कर भाग गए। सरिया पुलिस ने उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु गिरिडीह भेज दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मनोज मोदी के सरिया स्थित सरकी जंगल में रविवार की शाम लगभग 7 :00 बजे बेहोशी हालत में पड़े होने की सूचना परिजनों को मिली। सूचना मिलते ही परिवार के लोग उक्त स्थल पर पहुंचे। बेहोश पड़े मनोज मोदी को स्थानीय क्लिनिक ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसका अंतिम संस्कार सोमवार को बड़ाकर नदी स्थित मुक्तिधाम में होना था। परिजनों द्वारा अर्थी सजाकर शव को श्मशान घाट ले जाया गया। तब तक सरिया पुलिस को किसी माध्यम से उक्त घटना की सूचना मिली। इधर सरिया थाना प्रभारी पिंकू कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को जब्त कर अंत्य परीक्षण हेतु गिरिडीह भेज दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार का आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर एग्रेतर तार कार्रवाई की जाएगी।

### 12 घंटे में चोरी की स्कूटी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**बोकारो** : पुलिस ने हरला थाना क्षेत्र स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी से 19 जुलाई को चोरी गई स्कूटी को 12 घंटे में बरामद करने में सफलता हासिल की। साथ ही 18 वर्षीय युवक गर्व आदर्श को भी गिरफ्तार कर लिया। यह स्कूटी सेक्टर 8/डी, स्ट्रीट 49 के क्वार्टर संख्या 1515 के गैरेज से बरामद की। हरला थाना अन्तर्गत ऊ/605 ऑफिसर्स कॉलोनी के अखिलेश कुमार सिंह की ब्लू रंग स्कूटी रजि० सं0- JH09-BA-1852 चोरी हो गई। इस संदर्भ में अखिलेश कुमार सिंह के लिखित आवेदन के आधार पर हरला थाना कांड संख्या-67/26 दिनांक 20.07.2026 धारा-303 (2) इठर-2023 अज्ञात चोरो के विरुद्ध दर्ज किया गया।
शहर मे लगातार हो रहे वाहन चोरी की घटना को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यो के आधार पर 12 (बाहर) घंटे के अंदर उक्त चोरी गई स्कूटी को सेक्टर 8/डी, क्वाटर नं0-1515, स्ट्रीट-49 के गैरेज से विधि विरुद्ध किशोर के निशानदेही पर बरामद करते हुए कांड कारित करने वाले अभियुक्त गर्व आदर्श को विधिवत गिरफ्तार एवं किशोर को निरुद्ध किया गया।
इस छापामारी दल में नगर पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन , हरला थाना इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी खुर्शीद आलम, अनुसंधानकर्ता पु.अ.नि मनीष कुमार गुप्ता तथा आरक्षी नरेश मंडल ने अहम भूमिका निभाई।

# नीट पेपर लीक और छात्रों की मौत पर आक्रोश, केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो** : ऑल टाइम मदद संस्था की ओर से नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, छात्रों की आत्महत्या एवं मौतों पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इन घटनाओं की नैतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की तथा उनका प्रतीकात्मक पुतला दहन किया।

इस अवसर पर संस्था की संस्थापक संघमिता सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि परीक्षा प्रणाली पर छात्रों का भरोसा कमजोर होता है, तो इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव मेहनत करने वाले विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि परीक्षा से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। प्रदर्शन में उपस्थित लोगों ने छात्रों के भविष्य की सुरक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर नारे लगाए। कार्यक्रम में सोनिया बनर्जी, नीरा सिंह, रजनी जी, शकुंतला देवी, रंजू जी, किरण जी, गायत्री तथा बच्चों और अन्य सामाजिक कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ऑल टाइम मदद संस्था ने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी है और उनकी मेहनत के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जा सकता। संस्था ने सरकार से मांग की कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं तथा परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जाए।

## बीएस सिटी थाना इलाके में मंगलसूत्र छीना-छिपी का आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो** : बीएस सिटी थाना अंतर्गत कॉपरेटिव कॉलनी में आज सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने एक महिला का मंगलसूत्र छीने जाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने पीड़िता का मंगलसूत्र छीना और घटना के बाद भाग निकला था। घटना की सूचना मिलने पर बीएस सिटी थाना की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से संदिग्ध को दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अजित कुमार उर्फ.मुस्कान पुत्र स्व. अजय राम, निवासी माडीपटी, दुंदीबाग, थाना बीएस सिटी, बोकारो के रूप में हुई है। आरोपी के निशानदेही पर छीना हुआ मंगलसूत्र (लॉकेट- सोने जैसा) बरामद किया गया है।पीड़िता सुरजी देवी (पतिः बिरबल मांझी), सवन रानी पोखर, थाना हरला, जिला बोकारो की

लिखित शिकायत पर बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 157/26 दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

**पकड़े गए आरोपी का अपराधिक रिकार्डः**
बीएस सिटी थाना कांड संख्या 235/23 दिनांक 20.07.26, धाराएं 457/380/411/34 के तहत प्रकरण दर्ज। बीएस सिटी थाना कांड संख्या 25/24 दिनांक 21.02.24, धाराएं 457/380 के तहत प्रकरण।

## पेपर लीक के विरोध में आरवाईए-आइसा का प्रतिरोध मार्च, शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर उठाई आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरिया** : देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में दिल्ली में चल रही छात्रों की भूख हड़ताल के समर्थन में रविवार को सरिया में आरवाईए और आइसा के बैनर तले प्रतिरोध मार्च निकाला गया।

मार्च की शुरूआत सरिया स्टेडियम से हुई। कार्यकर्ता पूरे सरिया बाजार का भ्रमण करते हुए झंडा चौक पहुंचे, जहां नुक्कड़ सभा आयोजित की गई। सभा में वक्ताओं ने दिल्ली में आंदोलनरत छात्रों के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताते हुए उनकी मांगों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और शिक्षा व्यवस्था पर से विश्वास उठता जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि जब तक पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक नहीं लगती, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होती और युवाओं को न्याय नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने की मांग की। प्रतिरोध मार्च और नुक्कड़ सभा में पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह, संदीप जायसवाल, परमेश्वर महतो, सीताराम सिंह, शेखर सुमन, बिजय सिंह, भोला मंडल,केदार मंडल, हरेंद्र सिंह, जिम्मी चौरसिया, कुश कुशवाहा, अमन पाण्डेय, रेणु रवानी, कामेश्वर, बिक्की मंडल, रामबिलास पासवान सहित बड़ी संख्या में आरवाईए-आइसा के कार्यकर्ता और छात्र-युवा उपस्थित थे।

# डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज का भव्य उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो** : बोकारो में रायफल शूटिंग खेल के सर्वांगीण विकास और छुपे प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य और बोकारो भारत का प्रतिनिधित्व करे, ऐसी योजना के साथ शूटिंग रेंज का भव्य उद्घाटन आज सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में किया गया। इस उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, झारखंड प्रांत के प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा , मुख्य अतिथि एवं बोकारो इस्पात संयंत्र के पूर्व उप महाप्रबंधक प्रभारी सह झारखंड ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष जय प्रकाश लाल, सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी के सचिव राज कुमार जी थे। मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने अपने संबोधन में रायफल शूटिंग रेंज खुलने का सराहना करते हुए बोलें कि रायफल शूटिंग खेल में भी अब बोकारो से राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगा। महाभारत व रामायण के समय से लक्ष्य भेदना या निशाना लगाना हम लोगों के संस्कृति से जुड़ा हुआ है और श्रेष्ठता साबित करने का सशक्त माध्यम था। समय के साथ आज

आधुनिक रूप ले लिया है। इस रेंज से राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकले इसके लिए अपनी शुभकामनाएं दिए। श्री लाल ने अपने संबोधन में बोकारो के खेल उपलब्धियों का जानकारी देते हुए बोले कि बोकारो के खेल जगत में एक और ओलिंपिक खेल रायफल शूटिंग आज से जुड़ गया। इस खेल में भी बहुत संभावना है। प्रतिभावान खिलाड़ियों का यह मंच मिल का पत्थर साबित होगा। राज कुमार जी ने खेल को इंसान का अभिन्न अंग बताए। शारिरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने के लिए खेल ही एक सशक्त माध्यम है। इस रेंज में खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिए योगा, मेडिटेशन, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग, लाइट वेटट्रेनिंग के साथ शूटिंग का अभ्यास कराया जाएगा। मौखिक क्लास के साथ खेल विज्ञान व तकनीक पर विशेष ध्यान रहेगा। इस रेंज के प्रतिभावान खिलाड़ियों को आवश्यकतानुसार उच्च प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र में भी भेजने की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी आलोक कुमार, पिंटू यादव, गौरीशंकर कांति के अलावे भाजोआ नगर अध्यक्ष विशाल गौतम, महानगर संपर्क प्रमुख दिनेश्वर सिंह, विद्यार्थी परिषद के पवन कुशवाहा व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## ड्यूटी के दौरान बेहोशी से निकले हुए कर्मचारी की इलाज के बाद रांची में मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो** : बोकारो के महेशपुर निवासी व बीएसएल में कार्यरत विस्थापित समुदाय के सहायक कर्मचारी सुभाष चंद्र मोदी का दुखद निधन रांची के मेडिका अस्पताल में इलाज के दौरान 17 जुलाई 2026 को हो गया। परिवार ने उनकी मृत्यु का जिम्मेदार ठहराते हुए दावा किया है कि घटना ड्यूटी के दौरान हुई थी और बाद में इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ने पर उनका निधन हुआ। परिवार की रिपोर्ट के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को ड्यूटी के दौरान सुभाष अचानक बेहोश हो गए और गिर पड़े। उनके साथ कार्यरत साथी तुरंत उनकी मदद के लिए आए और प्लांट के अंदर प्राथमिक उपचार करवा कर उन्हें बोकारो जेनरल हॉस्पिटल भर्ती कराया गया। इञ्ळ के डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें कोलकाता के अपोलो अस्पताल रेफर किया। कोलकाता में कुछ दिनों के इलाज के बाद सुभाष को वापस इञ्ळ

लाया गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर चिकित्सकीय सलाह पर उन्हें रांची के मेडिका अस्पताल में दाखिल कराया गया था, जहाँ 17 जुलाई को उनका देहांत हो गया। मृतक के परिजन आरोप लगाते हैं कि घटना कार्यस्थल पर हुई और इलाज के दौरान उनकी जान गई, इसलिए बीएसएल प्रबंधन पर उत्तरदायित्व बनता है। परिवार का कहना है कि कंपनी उन्हें नौकरी दे या वैकल्पिक मुआवजे तथा अन्य सामाजिक-आर्थिक मदद उपलब्ध कराए। परिजनों ने शव को BGH में रखवा दिया है और मामले के न्यायसंगत समाधान की मांग कर रहे हैं। परिवार की मांग और आगे की कार्रवाई परिजन बीएसएल प्रबंधन से मांग कर रहे हैं।

# बिरसा कृषक पाठशाला का हुआ उद्घाटन किसानों को मिलेगा आधुनिक खेती का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो** : सोमवार को बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा जरीडीह प्रखंड क्षेत्र स्थित कृषक पाठशाला पहुंचे। यहां किसानो के लिए समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह बिरसा कृषक पाठशाला के एक भवन का फीता काट कर उद्घाटन किया। साथ ही पाठशाला क्षेत्र में बनाए जा रहे तालाब व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात की। साथ ही डीसी श्री झा ने समय पर योजना को पूरा करने और सभी चीजों को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने

कहा कि यह जो यहा पर कृषि पाठशाला को डेवलप करने की कोशिश की जा रही है, जो दो-तीन महीने में पूरा होगा। फिसरी एक्टिविटीज, सोयल कंजर्वेशन, पशुपालन, खेती आदि से संबंधित प्रशिक्षण किसानों को दी जाएगी। यहां पाठशाला में किसानों को खेती से लेकर मछली पालन आदि के आधुनिक तकनीक से अवगत कराया जाएगा। पारंपरिक तरीके से खेती में हो रही उपज की कमी के लिए उन्हें क्या प्रिकॉशन लेना चाहिए, यह भी बताया जाएगा। उपज को बढ़ाने के लिए नई-नई विधि बताई जाएगी, जिसके अभाव में किसानों को अपनी खेती को उन्नत बनाने से अभी तक पिछड़ रहें हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक व मिश्रित खेती के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों के लिए एफपीओ का निर्माण किया जाएगा। क्लस्टर बनाकर किसानों को मजबूत बनाने का काम किया जाएगा। कहा कि जब किसान इंडिविजुअल खेती करते है तो कई बार नुकसान उठाना पड़ता है, सामूहिक खेती से नुकसान की संभावना कम और आर्थिक सबलता अधिक मिलती हैं। समूह बनाकर मिश्रित खेती करने किसानों की आय और अधिक मजबूत होगी। जिले के 4-5 सौ किसानों को मिलेगा प्रशिक्षण- उन्होंने कहा इस पाठशाला का उद्देश्य कृषि संस्कृति का विकास करना है। जहां आसापास व जिला भर के करीब 400 से 500 किसानों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी। यहां पर कृषि से जुड़े सभी विभागों की योजनाएं आदि की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान डीसी शताब्दी मजूमदार सहित कृषि विकास के पदाधिकारी व जरीडीह प्रखंड के पदाधिकारी मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### फास्ट फूड मार्केट में स्वच्छता की पहल, नगर निगम ने वितरित किए डस्टबिन

**बोकारो** : चास नगर निगम के महापौर श्री भोलू पासवान के नेतृत्व में चास स्थित फास्ट फूड मार्केट के सभी ठेला एवं खोमचा संचालकों के बीच डस्टबिन का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य सड़कों पर कचरा फैलने से रोकना तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना है। महापौर श्री भोलू पासवान ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और व्यवसायी का भी दायित्व है। उन्होंने सभी ठेला-खोमचा संचालकों से अपील की कि वे ग्राहकों द्वारा उत्पन्न कचरे को डस्टबिन में ही डालें और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें। नगर निगम की इस पहल से फास्ट फूड मार्केट में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। स्वच्छ चास, सुंदर चास अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम ने सभी नागरिकों से भी सहयोग की अपील की। यदि आप इसे प्रेस विज्ञप्ति, समाचार पत्र शैली या सोशल मीडिया पोस्ट के रूप में चाहते हैं, तो मैं उसी प्रारूप में भी तैयार कर सकता हूं।

### वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा को दी श्रद्धांजलि, शोकसभा में दो मिनट का मौन

**बोकारो**: झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट, बोकारो जिला की ओर से सोमवार को सर्किट हाउस में वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में मौजूद पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने कहा कि अरविंद शर्मा पत्रकारिता जगत के सम्मानित व सरल स्वभाव के व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में निष्पक्ष व जनसरोकार की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी। उनका निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों व विचारों को हमेशा याद रखा जाएगा। उपस्थित सभी पत्रकारों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति व परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। शोकसभा में राममूर्ति प्रसाद, मानिक सिंह, धर्मनाथ कुमार, विश्वजीत झा, राजेश कुमार, सुरेंद्र सावंत, कौस्तुब मलयज, चुमन कुमार, अमर पोद्दार, योगो पूर्ति, सुजीत कुमार, सत्यपॉल, मृत्युंजय मिश्रा, मनोज शर्मा, अजीत कुमार, नरेश कुमार, संजय कुमार समेत अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

### कुंडोरी दुर्गा मंदिर के जीर्णोद्धार का काम जोरों पर

**बोकारो** : उत्तर विस्थापित क्षेत्र के कुंडोरी गांव में स्तिथ दुर्गा मंदिर और हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार का काम एक बार फिर जोरों से हो रहा है। आस्था के इस विशाल मंदिर को भव्य रूप दिया जा रहा है। गांव के लोग तन मन धन से सहयोग कर रहे हैं। मार्बल, टाइल्स, पुटी,सीमेंट, ईंट, बालू से काम किया जा रहा है। गांव के राजू रंजन , हरिप्रसाद पूरी, महेंद्र महतो, सोमर महतो, जानकी महतो, कंचन मंडल ,संजय, प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मंदिर को नया रूप देने का काम होता आया है। इसबार मंदिर के अंदर बाहर का दीवाल , बाउंड्री के दीवाल में टाइल्स लगाने , मेनगेट स्टील का लगेगा। इसके अलावा छत के उपर में बने सभी मूर्तियों के रंग रोगन का काम होगा। आने वाले दुर्गा पूजा में मंदिर और मूर्तियों की आभा देखने के लिए लोग दूर दूर से आएंगे। बताते चलें कि इस मंदिर का निर्माण तब के बुजुर्ग लोगों ने अंग्रेजो के शासन काल में करवाये थे।

### बाटबिनोर में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि, शोकसभा आयोजित

**तलगड़िया** : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं धनबाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय मन्नान मल्लिक के निधन पर बाटबिनोर स्थित स्कूल मोड़ पर कांग्रेस कार्यकताओं एवं ग्रामीणों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मन्नान मल्लिक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय मन्नान मल्लिक के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव जनसेवा और संगठन को मजबूत करने का कार्य किया। उनके निधन से कांग्रेस पार्टी ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य ने एक अनुभवी और जनप्रिय नेता को खो दिया है। शोकसभा में वरिष्ठ नेता बलराम रवानी, तपन कुमार दुबे, पंचायत अध्यक्ष परमेश्वर दास वैष्णव, दाऊद अंसारी, गुलेन सिंह, सुरेश सिंह, चक्रधर महतो, अनूप घोषाल, आलोक दास, स्वरूप दास वैष्णव, जीवन लाहा, विष्णु प्रमाणिक, आनंद गोराई, नारायण चटर्जी सहित दर्जनों ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय मन्नान मल्लिक के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

# सम्राट चौधरी बोले- बिहार में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं, हर महीने की 10 तारीख को आ रही पेंशन

**पटना (एजेंसी)** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एनडीए विधायकों से बिहार के विकास के लिए मिलकर काम करने की अपील की. उन्होंने 211 नए डिग्री कॉलेज, छात्रों के लिए विशेष ऐप, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और बांकीपुर उपचुनाव में प्रचार को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं और योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एनडीए विधायकों से कहा कि सभी घटक दलों को मिल कर राज्य के विकास की चिंता करनी है और आगे ले जाना है. विधानमंडल परिसर में सोमवार को सत्तारूढ़ एनडीए के विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने एनडीए के आपसी सहयोग और बिहार के विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि सरकार लगातार विकास के लिए काम कर रही है. गठबंधन के सभी घटकों के सहयोग से बिहार को आगे ले जाना है. नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के काम को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि बिहार में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है. सरकार का प्रयास है कि जिन बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था, उन्हें बिहार में ही बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाये. सीएम ने राज्य में खोले गये 211 नये डिग्री कालेजों को लेकर कहा कि कुछ समय पहले तक बिहार में केवल 274 डिग्री कॉलेज थे, लेकिन अब सरकार ने एक साथ 211 नए डिग्री कॉलेज शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. उन्होंने इसे बिहार के विद्यार्थियों के लिए बड़ा तोहफा बताया.विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष ऐप तैयार विशेष ऐप किया गया तैयार मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष ऐप तैयार किया है.इसके माध्यम से विद्यार्थी रात 12 बजे भी अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं और उनके समाधान की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है. सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं विकास योजनाओं के लिए सरकार के पास नहीं है पैसे की कमी मुख्यमंत्री ने एनडीए विधायकों को आश्वस्त किया किया सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है. उन्होने कहा कि विपक्ष इस बात का माहौल बना रहा है. जबकि, यह सही नहीं है. उन्होंने कहा कि सरकार लगातार सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा रही है. हर महीने की 10 तारीख को वृद्धजनों और दिव्यांगों के खातों में राशि भेजी जा रही है. हर महीने के दूसरे और अंतिम मंगलवार को पटना में सुन रहे लोगों की समस्याएं मुख्यमंत्री ने सहयोग शिविर का जिक्र करते हुए कहा कि हर महीने के दूसरे और अंतिम मंगलवार को वह स्वयं पटना में लोगों की समस्याएं सुनते हैं. उनके समाधान का प्रयास करते हैं. उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद स्पष्ट है कि इंसाफ और अपनी समस्या के समाधान के लिए किसी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें विधायकों से बांकीपुर उपचुनाव में प्रचार की अपील बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एनडीए के विधायकों से बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार में समय देने की अपील की. उन्होंने विधायकों से कहा कि वे शाम के समय कम से कम दो घंटे प्रचार के लिए दें. मुख्यमंत्री ने विधायकों की समस्याओं पर भी भरोसा दिलाते हुए कहा कि जिन विधायकों को किसी तरह की परेशानी है, वे उनसे व्यक्तिगत रूप से मिल सकते हैं. उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा. बैठक में सभी घटक दलों के विधान सभा के सदस्य और विधान परिषद के सदस्य मौजूद रहे.

## संक्षिप्त डायरी

### बिहार में पंचायतों का फंड मैनेजमेंट होगा हाईटेक, हर एक पैसे के खर्च पर रखी जाएगी नजर, सरकार चुनेगी बैंकिंग पार्टनर

**पटना (एजेंसी)** बिहार के पंचायतों में जल्द ही नई व्यवस्था शुरू होने वाली है. पंचायतों का फंड मैनेजमेंट हाईटेक तरीके से होगा. यहां हर एक पैसे के खर्च पर पटना से नजर रखी जाएगी. इसके लिए एक सेंट्रलाइज्ड वेब-बेस्ड डैशबोर्ड काम करेगा. पटना से सविता की रिपोर्ट बिहार में पंचायती राज संस्थाओं को मिलने वाले वित्त आयोग के अरबों रुपये के फंड के प्रबंधन की नई व्यवस्था शुरू होने जा रही है. ग्राम पंचायतों, ब्लॉक और जिला परिषदों के खातों में आने वाली राशि की डिजिटल तरीके से मॉनिटरिंग होगी. विभाग ने इस पूरे फंड मैनेजमेंट सिस्टम को संभालने और एक मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करने के लिए एक या अधिक शिड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों को बतौर बैंकिंग पार्टनर चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. सेंट्रलाइज्ड वेब-बेस्ड डैशबोर्ड करेगा काम इसके लिए विभाग की ओर से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया गया है. इस नई हाईटेक व्यवस्था के तहत राज्य से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक एक सेंट्रलाइज्ड वेब-बेस्ड डैशबोर्ड काम करेगा. इसका सीधा फायदा यह होगा कि पटना में बैठे अधिकारी भी एक क्लिक पर यह देख सकेंगे कि किस जिला परिषद, ब्लॉक या ग्राम पंचायत को कितना फंड मिला, उसमें से कितना खर्च हुआ और कितनी ट्रांजैक्शंस पेंडिंग हैं. मेकर-चेकर मॉडल और ई-ग्राम स्वराज से जुड़ेगा सिस्टम

जानकारी के मुताबिक, फंड के दुरुपयोग को रोकने के लिए विभाग से सख्त तकनीकी सुरक्षा दी जायेगी. डिजिटल पेमेंट के लिए 'मेकर-चेकर अप्रूवल वर्कफ्लो अनिवार्य होगा, यानी बिना तय स्तर की मंजूरी के कोई भुगतान नहीं हो सकेगा. इसके साथ ही, बैंकों के इस सिस्टम को सुरक्षित एपीआई के जरिए सरकारी ट्रेजरी, पीएफएमएस और केंद्र सरकार के ई ग्राम स्वराज पोर्टल से सीधे लिंक किया जाएगा.

इससे यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट भेजने और ऑडिट करने में होने वाली लेटलतीफी पूरी तरह खत्म हो जाएगी. शॉर्टलिस्ट होने वाले बैंकों का मूल्यांकन तकनीकी क्षमता, राज्यव्यापी नेटवर्क और उनकी ओर से दी जाने वाली तकनीकी टीम के आधार पर टोटल 100 अंकों (वेटेज) के पैमाने पर किया जाएगा. इच्छुक बैंकों को 22 जुलाई की शाम तक पंचायती राज विभाग के संयुक्त सचिव सह नोडल पदाधिकारी कार्यालय में अपना प्रस्ताव जमा करना होगा.

# बिहार विधानसभा मॉनसून सत्र: पहले दिन NEET, NTA और छात्रों के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा

**पटना (एजेंसी)** बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज पहला दिन था. विपक्ष ने विधानसभा परिसर में जमकर हंगामा किया. नीट, एनटीए और छात्रों के मुद्दे पर सरकार को घेरा. इस दौरान सदन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई. पटना से अनुराग प्रधान की रिपोर्ट

बिहार विधानमंडल का पांच दिवसीय मानसून सत्र सोमवार से हंगामेदार माहौल में शुरू हुआ. सत्र के पहले ही दिन विधानसभा परिसर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का केंद्र बन गया. एक ओर सरकार अनुपूरक बजट, कई महत्वपूर्ण विधेयकों और अपने 100 दिनों की उपलब्धियों को सदन में रखने की तैयारी के साथ पहुंची थी, जबकि विपक्ष ने केंद्र सरकार और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. पहले दिन की कार्यवाही पूरी होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की बैठक मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. विपक्ष ने किया हंगामा सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक और विधान पार्षद ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया. उन्होंने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं और छात्रों की आत्महत्या के मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा राजद नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि परीक्षा प्रणाली पर छात्रों का भरोसा लगातार कमजोर हुआ है. उन्होंने एनटीए को भंग कर नयी और अधिक पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई. प्रदर्शन के दौरान ह्यछात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करोह्ल, ह्यएनटीए भंग करोह्ल और ह्यपेपर लीक बंद करोह्ल जैसे नारे लगाये गए. विपक्ष ने लगाया ये आरोप विपक्ष का आरोप था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रहे विवादों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है. राजद नेताओं ने कहा कि वर्षों की मेहनत के बाद भी छात्रों को निष्पक्ष परीक्षा नहीं मिल रही है, जिससे उनमें मानसिक तनाव बढ़ रहा है और आत्महत्या जैसी घटनाएं चिंता का विषय बन चुकी हैं. विपक्ष ने संकेत दिए कि इन मुद्दों को सदन के भीतर भी पूरी ताकत से उठाया जाएगा. सरकार की उपलब्धियां बताई गई मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत सरकार के सभी प्रमुख मंत्री और सत्तापक्ष के विधायक समय पर विधानसभा पहुंच गए थे. सम्राट सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर उपलब्धियों को सदन के पटल पर रखा गया. सरकार का दावा है कि इस अवधि में विकास, प्रशासनिक सुधार और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति के बावजूद राजद और वाम दलों के विधायक पूरी तैयारी के साथ सदन पहुंचे थे. सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मानसून सत्र को देखते हुए विधानसभा परिसर और आस-पास के इलाकों में सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे. परिसर के सभी इंट्री पर सघन जांच की व्यवस्था रही, जबकि बड़ी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी.

# बिहार मानसून सत्र में तेजस्वी यादव गायब, बीजेपी के इस नेता ने बताया 'पार्ट टाइम पॉलिटिशियन'

**पटना (एजेंसी)** बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र शुरू हो गया है और नेता विपक्ष तेजस्वी यादव विदेश में हैं. सदन में उनकी गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहा है. आइये जानते हैं बिहार बीजेपी के किस बड़े नेता ने उन्हें पार्ट टाइम पॉलिटिशियन कहा है? बिहार विधानमंडल का पांच दिवसीय मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया है. लेकिन पहले ही दिन सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई. तेजस्वी की इस गैर-मौजूदगी को लेकर सत्ता पक्ष के विधायकों ने उन पर सवाल खड़े किए हैं. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने तेजस्वी यादव के काम करने के तरीके पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने तेजस्वी को पार्ट टाइम पॉलिटिशियन करार दिया. सरावगी ने कहा कि वे बिहार और यहां की जनता को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं. वे सिर्फ बिहार आते हैं, भाषण देते हैं और फिर गायब हो जाते हैं. जनता भी अब उन्हें नकार चुकी है. जेडीयू बोली- जनता सब देख रही है जेडीयू विधान पार्षद खालिद अनवर ने भी तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का सत्र से गायब रहना कई सवाल खड़े करता है. विपक्ष को जनता की समस्याओं से ज्यादा इस बात की फिक्र है कि उनके परिवार का जन्मदिन कैसे मनाया जाए. उन्होंने कहा कि अगर कोई सोचता है कि बिहार से बाहर रहकर राज्य की राजनीति को संभाल लेगा, तो वह गलत है क्योंकि जनता सब देख रही है. परिवार के जन्मदिन मनाने में व्यस्त है विपक्षः संजय सिंह मंत्री संजय सिंह ने भी तेजस्वी यादव पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी.

उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण मानसून सत्र में नेता प्रतिपक्ष का गायब रहना यह साफ करता है कि वे विपक्ष की भूमिका को लेकर गंभीर नहीं हैं. उनका पूरा ध्यान बस इस बात पर रहता है कि परिवार का जन्मदिन किस तरह मनाया जाए. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें आरजेडी का बचावः हम सब तेजस्वी के ही रूप हैं तेजस्वी यादव की गैर-मौजूदगी पर जब आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपने नेता का बचाव किया. उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी यादव सदन में नहीं हैं, तो क्या हुआ, हम सब यहां मौजूद हैं. आरजेडी का हर एक कार्यकर्ता तेजस्वी यादव का ही रूप है. जस्वी यादव पिछले कई दिनों से विदेश यात्रा पर हैं. वे इस समय यूरोप टूर पर गए हुए हैं. मानसून सत्र जैसे बड़े मौके पर उनके विदेश में होने की वजह से ही सत्ता पक्ष को उन पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया है.

# पहली बार सदन में बोले मंत्री निशांत कुमार, कहा- पिताजी ने 20 सालों में जो काम किया, उसे आगे बढ़ाना है

**पटना (एजेंसी) :** बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज पहला दिन था. स्वास्थ्य मंत्री और एमएलसी निशांत कुमार ने पहली बार भाषण दिया. इस दौरान निशांत कुमार ने पूर्व सीएम नीतीश कुमार के 20 सालों के शासनकाल की उपलब्धियां बताई. विपक्ष के हंगामे के साथ सोमवार को बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरूआत हुई. पहले दिन की कार्यवाही के बाद सदन को मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया. ऐसे में आज एमएलसी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने विधान परिषद में पहली बार अपना भाषण दिया. इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों को गिनाया. मंत्री बोले- देश और दुनिया में बिहार बना उदाहरण सदन में निशांत कुमार ने कहा, पिछले 20 सालों में हमारी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और हर क्षेत्र में काम किया. सरकार ने दलित, महादलित, पिछड़ा-अतिपिछड़ा, मजदूर, युवा, महिला इन सबके लिए काम किया. हमारा बिहार 20 वर्षों में देश-दुनिया में उदाहरण बना. चाहे वह महिला सशक्तिकरण हो, शराबबंदी हो, जीविका हो या जल-जीवन हरियाली हो. मंत्री बोले- नीतीश कुमार का मिलता रहेगा मार्गदर्शन आगे उंन्होंने यह भी कहा, पिताजी ने 20 वर्षों के शासनकाल में यह बताया कि राजनीति सामाजिक परिवर्तन का एक जरिया हो सकता है. सीएम सम्राट चौधरी के शासनकाल में इस सिलसिले को कायम रखना है और बिहार के गौरव को बढ़ाना है. पिताजी ने 20 साल में जो काम किया, उसे आगे बढ़ाना है. नीतीश कुमार ने भले ही राज्यसभा जाने का निर्णय लिया लेकिन उनका मार्गदर्शन हमेशा हमारे साथ रहेगा. जनता के हित में जो बात है, वो सदन में रखने का काम करेंगे. जन्मदिन पर मिली शुभकामनाएं स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का आज जन्मदिन भी है. सदन में पहुंचने पर सत्ता पक्ष के नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दीं. इसके लिए निशांत कुमार ने उन्हें धन्यवाद दिया.

# गोपालगंज, कैमूर और रोहतास में बारिश का रेड अलर्ट, अगले 3 दिन पटना, बक्सर समेत 20 से अधिक जिलों में आंधी-तूफान का रहेगा दौर

**पटना (एजेंसी)** बिहार में अगले तीन दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा, जिसे लेकर पटना मौसम केंद्र ने रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. गोपालगंज, कैमूर और रोहतास में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी है. पटना समेत कई जिलों में तेज हवा और वज्रपात का अनुमान है. बिहार में अगले तीन दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा और कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान कुछ जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होगी, तो कहीं तेज हवाओं के साथ बिजली चमकने और मेघ गर्जन की संभावना है. इन जिलों में बदला रहेगा मौसम का हाल 20 जुलाई से 21 जुलाई के बीच बिहार के तीन जिलों गोपालगंज, कैमूर और रोहतास में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है. इसके साथ ही पश्चिम चंपारण, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, गया, औरंगाबाद, बेगूसराय और समस्तीपुर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है. पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया और किशनगंज में येलो अलर्ट जारी किया गया है.

# बिहार विधानसभा मॉनसून सत्र: सरकार ने पेश किया 87,383 करोड़ रुपये का बजट, बताया पूरा मास्टर प्लान

**पटना (एजेंसी)** बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन सरकार ने 87,383.43 करोड़ रुपये का बजट पेश किया. इस दौरान बिहार के लिए पूरा मास्टर प्लान बताया गया. बजट में सबसे बड़ा प्रावधान वार्षिक योजनाओं के लिए किया गया. बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरूआत इस बार सिर्फ राजनीतिक नेताओं के हंगामे से नहीं, बल्कि 87,383.43 करोड़ रुपये के वित्तीय ऐलान से हुई. सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया है. उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने विधानसभा में यह अनुपूरक बजट पेश करते हुए बताया कि अतिरिक्त राशि का सबसे बड़ा हिस्सा विकास योजनाओं पर खर्च किया जाएगा. कहां-कितने किए जायेंगे खर्च? जानकारी के मुताबिक, कुल 57,077.96 करोड़ रुपये वार्षिक योजनाओं के लिए प्रस्तावित हैं. इसमें से सेंट्रल स्कीम मद में 39.48 करोड़ रुपये और वेतन पेंशन में 32 हजार 265 करोड़ रुपए खर्च किए जायेंगे. सरकार की माने तो, इस अतिरिक्त बजट से विकास परियोजनाओं की रफ्तार तेज होगी और कई महत्वपूर्ण योजनाओं को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी. इन क्षेत्रों पर किया गया फोकस साथ ही बजट की प्राथमिकताओं पर नजर डालें तो साफ है कि सामाजिक सुरक्षा, सड़क और पुल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पटना मेट्रो, मेडिकल कॉलेज, छात्रवृत्ति और बिजली सब्सिडी जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया गया है. इस तरह से सरकार ने बिहार के विकास के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं दोनों पर ध्यान दिया है. विपक्ष के हंगामे के साथ शुरू हुआ सत्र सत्र के पहले ही दिन विधानसभा परिसर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का केंद्र बन गया. एक ओर सरकार अनुपूरक बजट, कई महत्वपूर्ण विधेयकों और अपने 100 दिनों की उपलब्धियों को सदन में रखा. जबकि विपक्ष ने केंद्र सरकार और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. पहले दिन की कार्यवाही पूरी होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की बैठक मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. पहली बार निशांत कुमार सदन में बोले एमएलसी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने विधान परिषद में पहली बार अपना भाषण दिया. इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों को गिनाया. निशांत कुमार ने कहा, पिछले 20 सालों में हमारी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और हर क्षेत्र में काम किया. सरकार ने दलित, महादलित, पिछड़ा-अतिपिछड़ा, मजदूर, युवा, महिला इन सबके लिए

# बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

**आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।**

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

### हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

### गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

### अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

### तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

### तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव
बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।
अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।
बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।
पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।
नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।
समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

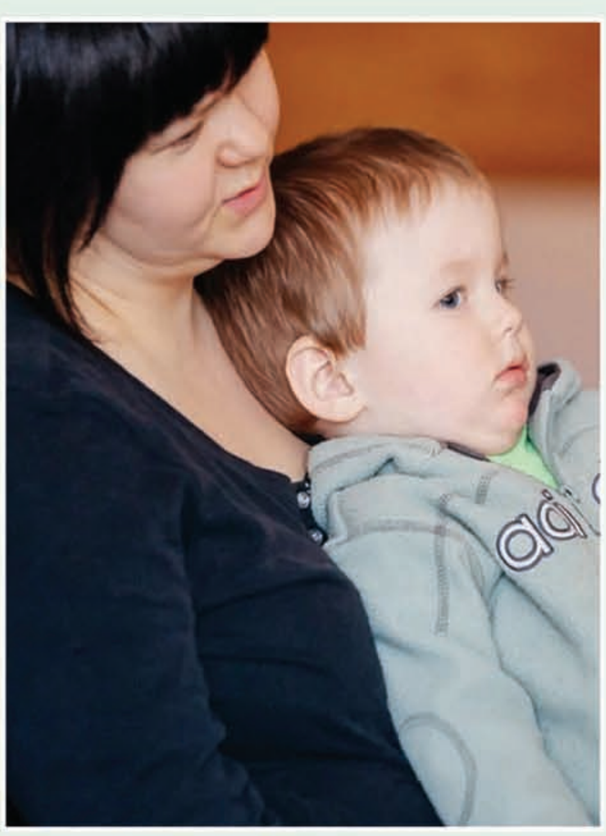

# एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

**हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।**

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

### दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

### क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

### नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

### क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

### रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

### क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

# सजावट भी और शुभता भी-इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं - मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं - तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं - तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं - अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें फ? नमो भगवते वासुदेवायफ या फहरि ?फ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला -तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर - यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल -
तुलसी को सूखने न दें, रोज़ पानी दें।
-उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।
-तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

# कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

### प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लाटंस को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

### वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

### हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

### किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गेनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गेनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

### कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

# स्पेन ने अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में हराकर दूसरी बार जीता फीफा विश्व कप का खिताब

एजेंसी

**ईस्ट रदरफोर्ड :** यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को सोमवार तड़के (भारतीय समयानुसार) अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने विजयी गोल दागकर स्पेन को 2010 के बाद पहला और कुल दूसरा विश्व कप दिलाया। बार्सिलोना के स्टार फारवर्ड फेरान टोरेस 62वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल की जगह मैदान पर उतरे थे। अतिरिक्त समय में निको विलियम्स ने पेड्रो पोरो के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, जिसे अर्जेंटीना पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। गेंद फेरान टोरेस के पास पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर स्पेन को बढ़त दिला दी। इससे पहले मुकाबले का रुख 90वें मिनट में बदल गया, जब अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज ने स्पेन के युवा डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल कर दिया। रेफरी स्लावको विन्चिच ने उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाते हुए लाल कार्ड थमा दिया, जिसके बाद अर्जेंटीना को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

पूरे मैच में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण किए और कई गोल करने के अवसर बनाए, हालांकि उसे सफलता अतिरिक्त समय तक नहीं मिली। दूसरी ओर, अर्जेंटीना स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने संघर्ष करता नजर आया। लियोनेल मेसी भी इस मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। अर्जेंटीना का पहला शॉट 117वें मिनट में आया, जब मेसी का प्रयास स्पेन के खिलाड़ियों ने ब्लॉक कर दिया। लगातार दूसरे विश्व कप खिताब की उम्मीद लगाए बैठी अर्जेंटीना की टीम 1962 के बाद पहली बार खिताब बचाने वाली टीम बनने का सपना भी पूरा नहीं कर सकी। मैच के अंतिम मिनटों में अर्जेंटीना ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास किए, लेकिन स्पेन के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षण करते हुए बढ़त बरकरार रखी और इतिहास रच दिया। यह 48 टीमों वाले अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का 104वां और अंतिम मुकाबला था, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की। टूर्नामेंट में कुल 307 गोल हुए, जो विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रहे। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए खेल और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी स्टेडियम पहुंचीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच के दौरान मौजूद रहे और पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। समापन समारोह में प्रसिद्ध गायक पोस्ट मेलोन ने प्रस्तुति दी, जबकि हाफ टाइम शो में जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा, बीटीएस, बर्ना बॉय सहित कई वैश्विक कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

## मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से फर्क नहीं पड़ता : रोहित शर्मा

एजेंसी

**नई दिल्ली :** इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है। लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चर्चाओं को लगभग खारिज कर दिया। बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चचाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरूआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता। रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं। 138 रन की दमदार पारी भी नहीं दिला सकी जीतलॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में रोहित शर्मा ने 138 रनों की शानदार पारी खेलकर साबित कर दिया कि उनमें अभी भी भरपूर क्रिकेट बाकी है।

## आईएसएसएफ विश्व कप राइफल-पिस्टल शॉटगन के लिए भारतीय दल तैयार

एजेंसी

**नई दिल्ली :** चीन के हांगझोऊ में 20 से 29 जुलाई तक होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2026 के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार हैं। विश्व कप में भारत की ओर से व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में अनुभवी और युवा निशानेबाजों का मजबूत दल हिस्सा ले रहा है। टूर्नामेंट के पदक मुकाबले 22 जुलाई से 28 जुलाई तक खेले जाएंगे। भारतीय दल में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के अलावा ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, सिफ्त कौर समरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भनवाला जैसे प्रमुख निशानेबाज शामिल हैं। राइफल स्पर्धाओं में पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पाडेकर महिलाओं की स्पर्धा में भाग लेंगी। 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस में पुरुषों की प्रतियोगिता में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष हिस्सा लेंगे। महिलाओं की स्पर्धा में आशी चौकसे, विदरसा के. विनोद और सिफ्त कौर समरा शामिल हैं। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत की पिस्टल चुनौती का नेतृत्व सुरुचि, सन्याम और ईशा सिंह करेंगी, जबकि पुरुषों की स्पर्धा में केदारलिंग बी. उचागनवे, कमलजीत और आकाश भारद्वाज प्रतिस्पर्धा करेंगे। मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल के लिए चुना गया है, जबकि अनीश, ओंकार सिंह और भावेश शेखावत पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शॉटगन स्पर्धाओं में उदवीर सिंह जाजी, भौनीश मेंदिरत्ता और विवान कपूर पुरुषों के ट्रैप इवेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि प्रगति दुबे, कीर्ति गुप्ता और राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप टीम का हिस्सा होंगी।

## एफआईएच हॉकी विश्व कप तक भारतीय महिला टीम की यात्रा

एजेंसी

**नई दिल्ली :** भारतीय महिला हॉकी टीम का बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 तक का सफर दृढ़ता, संकल्प और अपनी क्षमताओं पर अटूट विश्वास से भरा रहा है। महिला एशिया कप 2025 में सीधे क्वालीफाई करने से चूकने के बाद उन्होंने घरेलू मैदान पर आयोजित क्वालीफायर के जरिए विश्व कप में अपनी जगह पक्की की और बाद में न्यूजीलैंड में आयोजित एफआईएच नेशंस कप जीता। ये उपलब्धियां टीम की दृढ़ता और निरंतर विकास को दर्शाती हैं, जो अब आत्मविश्वास और जोश के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी के सबसे बड़े मंच पर जा रही हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक चलेगा। पूल डी में शामिल भारत को ग्रुप चरण में चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका का सामना करना होगा। टीम अपने सभी पूल मैच नीदरलैंड्स के एमस्टेलवीन स्थित वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी। भारतीय टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ, उसके बाद 18 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। एशिया कप 2025 के दौरान भारत सीधे क्वालीफाई करने के बेहद करीब पहुंच गया था। फाइनल तक के शानदार सफर के बाद भारत मेजबान चीन से हार गया और विश्व कप में सीधे प्रवेश पाने से चूक गया था। यह हार एक झटका थी, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मोड़ भी साबित हुई, क्योंकि टीम ने इस अनुभव को प्रेरणा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपनी तैयारियों को और बेहतर बनाया और विश्व कप के अपने सपने को जीवित रखने के अगले अवसर पर ध्यान केंद्रित किया। मार्च 2026 में हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में टीम ने पुनः एकजुट होकर भाग लिया। मुख्य कोच स्जोर्ड मारिजने के नेतृत्व में घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए, भारत ने फाइनल तक पहुंचने के अपने सफर में अपराजित रहते हुए सेमीफाइनल में इटली को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। हालांकि फाइनल में इंग्लैंड ने भारत को हरा दिया, लेकिन रजत पदक के साथ टीम ने एफआईएच के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम का सबसे बड़ा प्रदर्शन न्यूजीलैंड में हुए नेशंस कप में देखने को मिला, जहां भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा और खिताब जीतकर एफआईएच प्रो लीग में वापसी सुनिश्चित की। भारत ने टूर्नामेंट की शुरूआत अमेरिका के खिलाफ दो गोल से पिछड़ने के बाद 3-2 की शानदार वापसी वाली जीत के साथ की, जिसके बाद उसने जापान और उरुग्वे पर जीत दर्ज कर समूह में शीर्ष स्थान हासिल किया। सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम ने सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से करारी शिकस्त दी और फिर फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-0 से मात दी। दीपिका ने शानदार छह गोल करके टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर का स्थान हासिल किया, जिससे विश्व कप में भारत की आक्रमण क्षमता का पता चलता है। पिछले साल में टीम के कई खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत तौर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। नवनीत कौर ने महिला एशिया कप 2025 के दौरान 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए और फिर विश्व कप क्वालीफायर में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीता। डिफेंडर निक्की प्रधान ने हैदराबाद में हुए क्वालीफायर के दौरान 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मील का पत्थर हासिल किया, वहीं कप्तान सलीमा ने इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के फाइनल में अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। हालिया सफलता और अनुभवी एवं युवा खिलाड़ियों से सजी टीम के दम पर भारत आत्मविश्वास, जोश और इस विश्वास के साथ बेल्जियम और नीदरलैंड्स के दौरे पर निकलेगा कि वह सर्वश्रेष्ठ टीमों को टक्कर दे सकती है। विश्व कप की उलटी गिनती अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है। ऐसे में टीम का लक्ष्य होगा कि वह अपनी हालिया प्रगति को वैश्विक मंच पर एक यादगार अभियान में तब्दील करे।

## संक्षिप्त खबरें

### तीसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को 27 रन से हराया, सीरीज 2-1 से जीती

**लंदन :** बेन डकेट की शानदार 141 रन की पारी और सैम करन की अगुवाई में गेंदबाजों के निर्णायक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा के करियर के बेहतरीन शतकों में शामिल 138 रन भी टीम को जीत नहीं दिला सके। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए, जो भारत के खिलाफ उसका अब तक का सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 135 गेंदों पर 141 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जैकब बेथेल ने 91 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 192 रन की साझेदारी कर भारत पर दबाव बनाया। अंतिम ओवरों में जो रूट (नाबाद 74) और कप्तान जोस बटलर (नाबाद 41) ने सिर्फ 19 गेंदों में 63 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए, जबकि प्रिंस यादव को एक सफलता मिली। 388 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने मजबूत शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े। गिल ने 77 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़कर भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं। रोहित शर्मा ने 111 गेंदों पर 138 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। यह लॉर्ड्स के मैदान पर किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला वनडे शतक भी रहा। विराट कोहली ने भी 60 गेंदों पर 74 रन की आक्रामक पारी खेली और रोहित के साथ मिलकर मैच को रोमांचक बना दिया। हालांकि दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सका। अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने से रन गति प्रभावित हुई और टीम निर्धारित 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से सैम करन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और भारत की जीत की उम्मीदों पर विराम लगा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। वहीं भारत रिकॉर्ड 388 रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने से चूक गया और रोहित शर्मा का यादगार शतक टीम की हार के कारण फीका पड़ गया।

### अर्जेंटीना के राजदूत ने फीफा विश्व कप में समर्थन के लिए भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

**नई दिल्ली :** फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 से हारकर उपविजेता रही अर्जेंटीना की टीम को मिले समर्थन के लिए भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कौसिनो ने भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। कौसिनो ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए भारत में अर्जेंटीना के प्रति लगातार बढ़ रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने लिखा, ?इस विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना की टीम को लगातार समर्थन देने के लिए भारत के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत, एक बार फिर आपका शुक्रिया! विश्व कप-2022 में लियोनेल मेस्सी की अगुआई में अर्जेंटीना के विश्व चैंपियन बनने के बाद भारत में टीम और मेस्सी के प्रशंसकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी कारण पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारत में भी प्रशंसकों ने अर्जेंटीना का उत्साहवर्धन किया। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरी अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन खिताब बचाने का उसका सपना न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में टूट गया। स्पेन ने अतिरिक्त समय में 1-0 से जीत दर्ज कर 2010 के बाद अपना दूसरा फीफा विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में किया। पूरे मुकाबले में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण करते हुए कई मौके बनाए, जबकि अर्जेंटीना उसकी मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि, अर्जेंटीना खिताब बचाने में सफल नहीं रही, लेकिन लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचने की उसकी उपलब्धि को भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसकों ने सराहा।

### लॉर्ड्स की हार पर बोले निराश रोहित- हमने पूरी कोशिश की, लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए

**नई दिल्ली :** इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे और निर्णायक वनडे में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने लक्ष्य का पीछा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन 20-25 रन पीछे रह गई। उन्होंने स्वीकार किया कि हार निराशाजनक रही, लेकिन टीम को इस हार से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी एक वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि टीम पूरे दौरे में अच्छा क्रिकेट खेल रही थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में लक्ष्य हासिल करने से चूक गई। उन्होंने कहा कि परिणाम से थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मुझे लगा कि हम काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे। बर्मिंघम में हमने शानदार शुरूआत की थी। कार्डिफ में बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। यहां भी बड़ा लक्ष्य था। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन फिर 20-25 रन कम रह गए। लॉर्ड्स वनडे में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दबाव में नजर आया। अंतिम तीन ओवरों में 62 रन खर्च करने से इंग्लैंड ने 387 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि, रोहित ने युवा गेंदबाजों का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया। रोहित ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें थोड़ा समय देना होगा। उम्मीद है कि हम इस मैच से सीखेंगे और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पूर्व कप्तान ने इंग्लैंड में खेलने को लेकर कहा कि मुझे इंग्लैंड में खेलना पसंद है। यहां का माहौल, मैदान और पिचें हर बार नई चुनौती देती हैं। एक क्रिकेटर के रूप में आप ऐसी ही चुनौतियां चाहते हैं। व्यक्तिगत रूप से मैंने इसका आनंद लिया, लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, परिणाम से थोड़ी निराशा हुई। अब हमें आगे बढ़कर यह देखना होगा कि एक टीम के रूप में हम कहां बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की सफलता केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन पर नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। रोहित-विराट की साझेदारीलॉर्ड्स में रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच हुई 113 रनों की साझेदारी ने एक नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। यह दोनों के बीच वनडे क्रिकेट में 21वीं शतकीय साझेदारी रही। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंका के कुमार संगकारा और तिलकरत्ने दिलशान (20 शतकीय साझेदारियां) को पीछे छोड़ते हुए सर्वकालिक सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। इस सूची में शीर्ष पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की 26 शतकीय साझेदारियां हैं। रोहित ने विराट कोहली के साथ अपनी समझ का जिक्र करते हुए कहा कि लंबे समय तक साथ खेलने का फायदा मैदान पर साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि हमने अपना पूरा करियर साथ खेला है। विराट के साथ बल्लेबाजी करना हमेशा आनंददायक होता है। हम एक-दूसरे के खेल और सोच को अच्छी तरह समझते हैं। पारी के दौरान लगातार बातचीत होती रहती है कि मैच को किस तरह आगे बढ़ाया जाए।

# भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

## ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

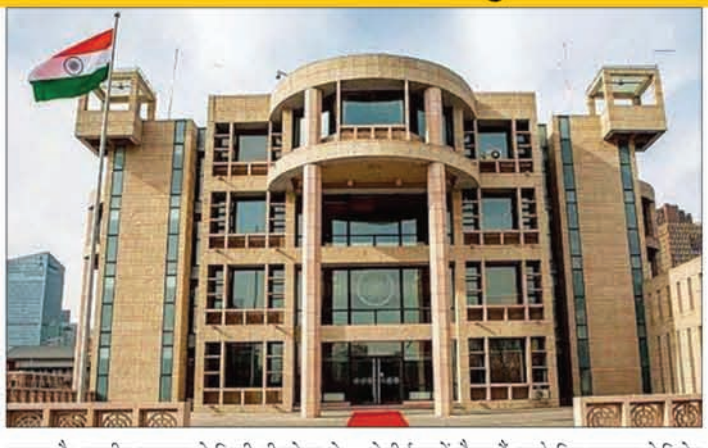

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

# मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

# वर्धा में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार अलसुबह कार और ट्रक की टक्कर में 05 लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ट्रक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। ट्रक का क्लीनर गंभीर रुप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, कि दुर्घटना सोमवार तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के समीप हुई। पुलिस के मुताबिक एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया था, जिसके चलते मुंबई- नागपुर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इसके कुछ देर बाद ही उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वाले लोगों में से चार वर्धा ज़िले के एक ही परिवार के सदस्य थे, जो कार में सवार थे। हादसे के बाद हाईवे सेफ्टी पेट्रोल (एचएसपी), वर्धा पुलिस, फायर ब्रिगेड और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम की टीमें घटना स्थल पर पहुंचीं और बचाव व राहत कार्य के साथ ही यातायात बहाली का कार्य शुरू किया। अधिकारियों का कहना था कि इथेनॉल कंटेनर होने के चलते अत्याधिक सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और टक्कर की तीव्रता को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर यह हाल के समय में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

# सेल्फी खिंचवा रहे 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा , 4 की मौत दो गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर (एजेंसी)। नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, छह दोस्त तिनशीला वॉटरफॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे सेल्फी ले रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतकों में राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल लोधी (21) और जयपाल लोधी (30) शामिल हैं। घायल आकाश लोधी (24) और नीरज लोधी (25) का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी है।

# सड़क पर घायल पड़ी थी युवती, केंद्रीय मंत्री ने अपनी गाड़ी से पहुंचवाया अस्पताल

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पंजाब दौरे में इंसानियत की मिसाल पेश की। अमृतसर दौरे के बाद जब वह जालंधर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकने पहुंचे, तभी रास्ते में सड़क हादसे में घायल युवती को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जानकारी के मुताबिक चिराग पासवान ने घायल युवती की मदद करते हुए उसे तुरंत अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरु हो गया। उनके इस मानवीय कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान डेरा सचखंड बल्लां में संत निरंजन दास का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के सपने को पूरा करने की बात भी दोहराई। उन्होंने संकेत दिए कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी।

# अभिषेक बनर्जी का आरोप, तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा के इशारे पर उनके अमतला स्थित कार्यालय से चोरी की है। यह बयान उनके कार्यालय भवन के हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से गिरने के एक दिन बाद आया, जिस पर बिना मंजूरी के बने होने का आरोप था। हालांकि, घटना के तुरंत बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लगाकर अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दावा किया कि पुलिसकर्मी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिल उनके दफ्तर से लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, मेज, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रहे थे। उन्होंने इस घटनाक्रम को तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी करार दिया, जो हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद कानून का कोई सम्मान किए बिना की गई। टीएमसी सांसद ने पलटवार कर कहा कि अमतला का यह पार्टी कार्यालय खरीदी गई जमीन पर सभी आवश्यक मंजूरियों के साथ कानूनी तरीके से बनाया गया था। उन्होंने भाजपा का बुलडोजर मॉडल बताया, जो चुनाव से पहले उनकी अन्नपूर्णा भंडार योजना की जगह ले रहा है। अभिषेक ने कहा कि पार्टी इस मामले को कलकत्ता हाईकोर्ट ले जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के ओएसडी को वीडियो भेजने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

# लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के वीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

# विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

**-बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा- रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है**

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

# कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्तिः मुख्यमंत्री योगी

## – विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी की पाती में आह्वान : हर युवा एक कौशल सीखे, बने नौकरी का प्रदाता

**लखनऊ (एजेंसी)।** विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें। उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलीटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

# कांग्रेस–सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

## –जनसभा में बार–बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले– साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर(एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार–बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए–नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

# शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

# भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

**–कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया**

**कानपुर (एजेंसी)।** भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है।इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

# आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहेः पीएम मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।। भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
**संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** ( *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**